epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ में भारत रत्न डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई
5 बुमराह की उपलब्धता पर संदेह, अर्शदीप पर भरोसा :रोहित
8 अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल -पपीता

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9, अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-19 | जम्मू तवी, सोमवार 20 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

राजौरी गांव में रहस्यमय बीमारी से एक और मौत, मरने वालों की संख्या पहुंची 17

जम्मू, 19 जनवरी । राजौरी गांव ने रहस्यमय बीमारी से 17वें पीड़ित को खोया दिया है। 6 लोगों में से असलम के एकमात्र जीवित बच्चे की जीएमसी जम्मू में मौत हो गई है।

जम्मू संभाग के राजौरी के बधाल गांव के मोहम्मद असलम के छठे और आखिरी बच्चे की जीएमसी जम्मू में मौत हो गई जिससे रहस्यमय बीमारी से मरने वालों की संख्या 17 हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि जान बेटी मोहम्मद असलम को पिछले रविवार को जीएमसी राजौरी ले जाया गया जहां से सोमवार को उन्हें जीएमसी जम्मू रेफर किया गया यहां आज शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष गुप्ता ने उसकी मौत की पुष्टि की और कहा कि उनकी हालत पहले दिन से ही गंभीर थी। यास्मीन मोहम्मद असलम की अकेली जीवित संतान थी जिसने अब इस रहस्यमय बीमारी के कारण अपने सभी छह बच्चों को खो दिया है। असलम ने पिछले एक हफ्ते में चार बेटियों, दो बेटों और अपने मामा-मामी को खो दिया है। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कथित तौर पर कहा है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि उन्होंने भारत के कई संस्थानों में परीक्षण के बाद वायरस और संक्रमण की संभावना से इनकार किया है। इस बीच, रहस्यमय मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए केंद्र सरकार की एक उच्च स्तरीय टीम रविवार को बधाल इलाके में पहुंची।

बडडाल के ग्रामीण बोले अब तो लगने लगा है डर

जम्मू,, 19 जनवरी। राजौरी के पहाड़ी गांव बडडाल में 45 दिनों में एक के बाद एक रहस्यमयी मौतों से पूरा गांव ही डरा हुआ है। लोगों का कहना है कि जिस समय आतंकवाद क्षेत्र में चरम पर था, उस समय हमें मौत का डर नहीं लगा और कोरोना काल में भी नहीं डरे, लेकिन गांव में एक-एक करके तीन परिवारों के 16 लोगों की हुई मौतों से उन्हें डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि पहले हमें लग रहा था कि यह कोई बीमारी है, लेकिन इसकी संभावना को भी अधिकारियों ने खारिज कर दिया है। राजौरी जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित बडाल गांव के लोग डर व सहमे हुए हैं और वो चाहते हैं कि जल्द ही इन मौतों के मामलों से पर्दा उठ सके। पीडीपी नेता गुफतार चौधरी ने इन मौतें के पीछे का कारण बताने वाले को 50 हजार रूप्ये का इनाम देने का ऐलान किया है।

बुद्धल में हुई मौतों का कारण पता लगाने के प्रयास जारी : एलजी सिन्हा

जम्मू, 19 जनवरी। विशेषज्ञ टीम आ गई है और बुद्धल में हुई मौतों के कारण का पता लगाने के प्रयास जारी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि पिछले 45 दिनों के दौरान राजौरी के बुद्धल गांव में मारे गए 16 लोगों की रहस्यमय मौत के कारण का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। सिन्हा ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों ने भी मामले की जांच की है लेकिन सही तथ्यों का पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी और टीम आ गई है। पुलिस ने एक एसआईटी भी गठित की है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि इन मौतों का कारण क्या है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राजौरी जिले के बुद्धल गांव का दौरा करने के लिए गृह मंत्रालय के नेतृत्व में एक अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश दिया ताकि रहस्यमय बीमारी के कारण का पता लगाया जा सके जिसमें 16 लोगों की जान चली गई थी।

मोदी ने राष्ट्र निर्माण के लिए सर्वहित के भाव से जुटने का किया आह्वान

नयी दिल्ली 19 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान निर्माता के सपनों के अनुरूप भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा है कि इसके लिए सर्वहित, संस्कृति संरक्षण और समानता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ना होगा।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 118वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगाँठ है।

उन्होंने कहा, मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूँ, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया।उन्होंने कहा कि संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चर्चाएं हुईं। ये चर्चाएं, संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वाणी बहुत बड़ी धरोहर है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में संविधान सभा के सदस्य डॉक्टर बी आर अंबेडकर, डॉ राजेंद्र प्रसाद और डॉ श्यामाचरण मुखर्जी के भाषणों का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि बाबा

साहब ने एकमत और सर्वहित पर जोर दिया और डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अहिंसा और शांति जैसे मूल्यों के संस्कृति संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने डॉक्टर श्यामा चरण मुखर्जी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि देशवासियों को संविधान निर्माताओं के इन विचारों से प्रेरणा लेकर ऐसे भारत के निर्माण के लिए काम करना है जिस पर हमारे संविधान निर्माताओं को भी गर्व हो।श्री मोदी ने कहा, आज 2025 की पहली मन की बात हो रही है। हर बार मन की बात महीने के आखिरी रविवार को होती है लेकिन इस बार हम एक सप्ताह पहले चौथे रविवार की बजाय तीसरे रविवार को ही मिल रहे हैं। क्योंकि अगले सप्ताह रविवार के दिन ही गणतंत्र दिवस है। मैं सभी देशवासियो को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। ये दिन इसलिए अहम है क्योंकि इस दिन भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग का भी धन्यवाद दूंगा जिसने समय-समय पर हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है, मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। मैं चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव के उनके समर्पण के लिए बधाई देता हूँ।प्रधानमंत्री ने देशवासियों से यादा-से-यादा संख्या में अपने मत के अधिकार का उपयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बने और इसे मजबूत करें।

गणतंत्र दिवस परेड में फ्लाईपास्ट करेंगे 40 एयरक्राफ्ट, ध्रुव और तेजस नहीं भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली, 19 जनवरी। देश के गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड के लिए सेना के जवान कड़ाके की ठंड में रिहर्सल करके पसीना बहा रहे हैं। परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर झांकियों के माध्यम से स्वर्णिम भारत- विरासत और विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। वायु सेना के 40 एयरक्राफ्ट फ्लाईपास्ट करेंगे, जिनमें 22 फाइटर एयरक्राफ्ट होंगे। इस बार एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परेड के दौरान उड़ान भरते नहीं दिखेंगे। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार भारतीय वायु सेना की कोई भी झांकी नहीं होगी।

वायु सेना के विंग कमांडर मनीष शर्मा ने बताया कि कुल 40 एयरक्राफ्ट रिपब्लिक-डे परेड का हिस्सा बनेंगे। फ्लाईपास्ट में 22 लड़ाकू विमानों, 11 परिवहन विमानों और 7 हेलीकॉप्टरों की शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें राफेल, सुखोई-30 और सी-130जे हरक्यूलिस कर्तव्य पथ पर हवाई करतब दिखाएंगे। इसके अलावा तीन डोर्नियर विमान भी गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा होंगे। इस बार एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परेड के दौरान उड़ान भरते नहीं दिखेंगे। इस माह की शुरुआत में गुजरात के पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, इसीलिए एएलएच ध्रुव को अभी भी जमीन पर ही रखा गया है और इसका इस्तेमाल फ्लाईपास्ट के लिए नहीं किया जाएगा।

नेपाल की महिला टीम को हराकर भारत ने जीता खो-खो विश्वकप का पहला खिताब

नयी दिल्ली 19 जनवरी। भारतीय महिला टीम ने रविवार शाम खेले गये फाइनल मुकाबले में नेपाल को 38 अंक से हराकर पहले खो-खो विश्वकप का खिताब अपने नाम किया।

आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडिमय में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पहले टर्न में भारत ने 34 अंक बनाये वहीं नेपाल की टीम स्कोर करने में विफल रही। वहीं दूसरे टर्न में भारत का स्कोर 35 अंक रहा जबकि नेपाल की टीम ने 24 हासिल किये।

दूसरे टर्न में भारत ने एक अंक तथा नेपाल ने 24 अक बनाये।

ब्रेक के बाद तीसरे टर्न मे भारत ने 73 अंक तथा नेपाल का 24 अंक का स्कोर रहा। तीसरे टर्न में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 38 अंक अर्जित किये। चौथे टर्न की पहली पारी में नेपाल ने छह अंक बनाये वहीं भारत को पांच अंक मिले। पहली पारी का स्कोर 78-30 रहा। चौथे टर्न में आखिरी सिटी बजने पर स्कोर भारत के 78 अंक और नेपाल के 40 अंक रहे। भारतीय महिला टीम ने यह मुकाबला 38 अंक से जीत लिया।

कटड़ा-बडगाम ट्रैक पर किया 18 कोच वाली ट्रेन का ट्रायल रन

जम्मू,, 19 जनवरी। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के कटरा-बडगाम ट्रैक पर 18 कोच वाली ट्रेन का ट्रायल रन किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कटरा से सुबह 8 बजे 18 कोच वाली ट्रेन का एक रेक रवाना हुआ और यह ट्रेन बडगाम जा रही है। हालांकि रेलवे के शीर्ष अधिकारी भी ट्रायल रन की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूएसबीआरएल परियोजना पूरी हो चुकी है और ट्रेन संचालन का अंतिम चरण चल रहा है।

बता दें कि कमिष्नर रेलवे सेफ्टी ने कटरा से लेकर श्रीनगर तक के रेलवे ट्रैक पर 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाने की अनुमति दी है और इसी रफ्तार से ही आज का भी ट्रायल रन किया गया है।

पुलिस चौकी नेहरू मार्केट ने दो ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार

जम्मू,, 19 जनवरी । ऑपरेशन संजीवनी के तहत पुलिस चौकी नेहरू मार्केट ने ड्रग तस्करी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए वेयरहाउस में नाका के दौरान 30.92 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ जब्त किया और दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई क्षेत्र में मादक पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए किए गए गहन प्रयासों का हिस्सा थी। गश्त के दौरान, एक पुलिस दल ने एक ऑल्टो कार को रोका और गहन तलाशी ली, जिसके बाद प्रतिबंधित पदार्थ बरामद हुआ। वाहन को आदिल गुल पुत्र गुल मोहम्मद चला रहा था, उसके साथ रईस पुत्र नबी वागे भी था, दोनों आशिजीपोरा, अनंतनाग के निवासी थे। आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। नेहरू मार्केट के प्रभारी पीएसआई अजेश जामवाल, संभावित लिंक और नशीले पदार्थों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। बरामदगी एसएचओ पीएस गांधीनगर, इंस्पेक्टर अरुण शर्मा की कड़ी निगरानी में की गई। जम्मू पुलिस नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के खिलाफ अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने का आग्रह करती है, ताकि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में योगदान दिया जा सके।

आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू

सोपोर, 19 जनवरी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर के गुजरपट्टी ज़लूरा गांव में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक दो आतंकियों के फंसे होने की आशंका है। फायरिंग जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर सेना, पुलिस व सीआरपीएफ ने क्षेत्र में आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान चलाया। इस बीच सुरक्षाबलों को अपनी ओर आता देख आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। समाचार लिखे जाने तक किसी भी आतंकी के मारे जाने या पकड़े जाने की सूचना नहीं थी। फिलहाल क्षेत्र में अभियान जारी है।

उपराज्यपाल ने लोगों से अंग दान के माध्यम से समाज में अपना बहुमूल्य योगदान देने का आह्वान किया

जम्मू 19 जनवरी। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने स्वैच्छिक अंग दाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लोगों से आगे आकर अंग और ऊतक दान के नेक कार्य में शामिल होने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा, दानकर्ताओं के लिए, अंगदान जीवन देने का अवसर प्रदान करता है। आइए हम सभी प्रयासों में शामिल हों और अंग और ऊतक दान के माध्यम से समाज में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उपराज्यपाल भारतीय जैन संगठन जम्मू-कश्मीर द्वारा एसएस जैन सभा जम्मू-कश्मीर के तत्वावधान में अंगदान को बढ़ावा देने हेतु आयोजित एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन से अनुरोध किया कि उनका नाम भी दाताओं की सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, 卐अंगदान जीवन का आदर्श वाक्य होना चाहिए। यह निस्वार्थ कार्य न केवल अंग प्राप्तकर्ताओं को प्रभावित करता है, बल्कि प्रत्यारोपण चाहने वालों के परिवारों और दोस्तों के जीवन को भी प्रभावित करता है। लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करके महान सेवा करने के लिए भारतीय जैन संगठन की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने इस नेक कार्य से जुड़े सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि सरकारी और निजी अस्पतालों में आधुनिक तकनीक का उपयोग करके अंग प्रत्यारोपण को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए।

2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे : राजनाथ

जौनपुर 19 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन चुका है। शहर से गांव तक सबसे ज्यादा 5 जी यूजर्स है। हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ से रविवार को उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के निजामुद्दीनपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगत नारायण दुबे के आवास पर आयोजित मांगलिक समारोह में भाग लेने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत कुछ बोलता है, तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। विज्ञानी सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर बना रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। देश में 1.30 लाख

स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ना चाहिए, हमारे इतिहास में हर क्षेत्र में भारत की उपलब्धि व्याप्त है। श्री सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर भारत का मुकुट मणि है और इसके बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है, पाकिस्तान के लिए यह एक विदेशी क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है वह इसका इस्तेमाल आतंक को शह देने व भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए कर रहा है। रक्षा मंत्री ने गुलाम जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया और साथ ही पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर में आतंकी ट्रेनिंग कैम्प व लॉन्चिंग पैड खत्म कर दे नहीं तो उचित जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने इस वाक्य से पाकिस्तान को आतंकी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक की याद भी दिला दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में आतंक को शह देने की साजिशें निरंतर जारी रखे हुए हैं। गुलाम जम्मू कश्मीर के प्रधानमंत्री अनवर उल हक के भारत विरोधी दुष्प्रचार पर रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान वहां लोगों को धर्म के नाम पर भारत के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहा है और वहां के निवासियों पर अत्याचार करता है।

एनडीआरएफ ने बहुत कम समय में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान बनायी : शाह

नयी दिल्ली 19 जनवरी । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने बहुत कम समय में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता बनायी है तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत को वैश्विक पहचान दी है। श्री शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में बल के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के दक्षिणी परिसर, बल की 10वीं वाहिनी तथा क्षेत्रीय कार्रवाई केन्द्र के सुपौल परिसर सहित लगभग 220 करोड़ रूपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में नई 'इंटीग्रेटेड शूटिंग रेंज' का शिलान्यास और तिरूपति में राज्य सरकार की क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भवन का भी उद्घाटन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय यह बल सबसे पहले आगे आकर काम करता है । उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर तीन गुना अधिक गति से आंध्र प्रदेश का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पिछले छह माह में तीन लाख करोड़ से अधिक का निवेश और मदद आंध्र प्रदेश के लिए भेजे हैं। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने विशाखापत्तनम के स्टील प्लांट के लिए 11 हज़ार करोड़ रूपए की मदद को स्वीकृति दी है। इस निर्णय से आंध्र प्रदेश के गौरव माने जाने वाले विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का लंबे समय तक चलना सुनिश्चित हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि अमरावती राजधानी की कल्पना मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने की थी और प्रधानमंत्री ने इसका भूमिपूजन किया था, लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान इस पूरे प्रोजेक्ट को एक प्रकार से दरकिनार कर दिया गया था।

उपमुख्यमंत्री ने सुंदरबनी अग्नि दुर्घटना पीड़ितों से मुलाकात की, सहायता का आश्वासन दिया

जम्मू 19 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने सुंदरबनी अग्नि दुर्घटना पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें पूरी मदद का आष्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री के साथ सुंदरबनी के विधायक रणधीर सिंह और स्थानीय प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

पीड़ितों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें पर्याप्त मुआवजा देगी। उन्होंने अधिकारियों को यथाशीघ्र व्यापक क्षति आकलन रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

वर्षों से लंबित और बगैर मूवमेंट वाले केस बंद करने की जरूरत : पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई

सूरत, 19 जनवरी । सूरत के वीर नर्मद यूनिवर्सिटी में सूरत लिटरेरी फाउंडेशन की ओर से आयोजित सूरत लिटरेचर फेस्टिवल के तीसरे दिन देश के पूर्व चीफ जस्टिस व मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद रंज गोगोई ने देश की न्याय व्यवस्था के संबंध में बात की। उन्होंने कहा कि आज देश में करीब 5 करोड़ केस तारीख पर तारीख के कारण लंबित है। इन केसों की सुनवाई के संबंध में देश के दोनों संसद भवन या सर्वोच्य न्यायाल में आज तक चर्चा नहीं हुई है। गोगोई ने कहा कि जो केस वर्षों से लंबित हैं और इनमें कोई मूवमेंट नहीं है, उसे बंद कर देने की जरूरत है।

गोगोई ने कहा कि देश में लंबित 5 करोड़ केसों से कुल 45 करोड़ लोग न्याय की राह ताक रहे हैं। यदि सभी मिलकर एक साथ आवाज उठाते हैं कि हमें कब न्याय मिलेगी तो कल सिस्टम सुधर जाएगी, हमें 2047 तक राह नहीं ताकनी होगी। गोगोई ने कहा कि सिस्टम को गति देने के लिए देश में एक लाख अच्छे ईमानदार लोगों को चुन लीजिए जिससे सिस्टम में सुधार भी आएगा और गति भी आएगी। समान नागरिक संहिता को लेकर फैली भ्रांतियों पर उन्होंने

जोर देकर कहा कि यह कानून किसी धर्म पर आधारित नहीं है बल्कि गोद लेने, शादी, तलाक जैसी प्रथाओं को एक समान बनाता है। जो कि गोवा जैसे राज्यों में कई वर्षों से अच्छी तरह से लागू है। आयोजन में थ्रेट टू लोकतंत्र सत्र में लोकतंत्र की जन्मस्थली और दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति भारत जब आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो हमारे लोकतंत्र के लिए क्या चुनौतियां पैदा होंगी, इस विषय पर तुफैल चतुर्वेदी ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में दुनिया में आतंकवाद की 20 घटनाएं हुई हैं, एक ऐसी मानसिकता है जिसने भारत को तोड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है, वहीं पिछले छह सौ वर्षों में भारत 13 टुकड़ों में बंट चुका है, ऐसे में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भारत के लोकतंत्र को बचाना है। उन्होंने कहा कि हमें मोबाइल, मौज-शौक से बाहर निकलकर देश की सुरक्षा के लिए तैयार होना होगा और देश की सुरक्षा तभी संभव है जब भारत की लोकतांत्रिक ताकत बरकरार रहेगी।

एक अन्य सत्र में वर्ष 2047 में भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई। वक्ता प्रफुल्ल केतकर ने स्वाधिनता और स्वतंत्रता के बीच के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वाधिनता प्राप्त करने के बाद देश में एक ऐसा तबका था जो आज भी स्वतंत्रता पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। हमने सिर्फ राजनीतिक तौर पर स्वाधिनता हासिल की, लेकिन ये स्वतंत्रता नहीं है। स्वतंत्रता की प्राप्ति वैचारिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक रूप से हमारी प्राचीन पहचान की पुनः स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि इंडिया देश की जियोग्राफिक पहचान है, लेकिन भारत यह अपनी ज्ञानवर्द्धक समाज की पहचान है। हमलोग भारत है, जो कि प्राचीन ज्ञान परंपरा का एक प्राचीन स्रोत रहा है। उन्होंने भारतीय छात्रों के विदेश जाने के रोकने की भी बात की।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना। शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।

डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नटरंग के हास्य नाटक 'सरकारी अफसर' ने नौकरशाही की बुराइयों पर प्रकाश डाला

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। नटरंग ने जम्मू के कच्ची छावनी स्थित स्टूडियो थिएटर में अपनी साप्ताहिक नाट्य श्रृंखला, संडे थिएटर के अंतर्गत एक विचारोत्तेजक और व्यंग्यपूर्ण नाटक सरकारी अफसर प्रस्तुत किया। लक्ष्मीकांत वैष्णव द्वारा लिखित और नीरज कांत द्वारा निर्देशित इस हिंदी नाटक में एक सरकारी कार्यालय की रोजमर्रा की अव्यवस्थाओं को चतुराई से दर्शाया गया है जिसमें नौकरशाही की बुराइयों को तीखे हास्य के साथ उजागर किया गया है। नाटक की शुरुआत एक आम सरकारी कार्यालय के जीवंत दृश्य से होती है जहाँ कर्मचारी अपने निजी एजेंडे में लिप्त, अपनी नौकरी में सुरक्षित और नियमों के प्रति उदासीन दिखाई देते हैं। लालफीताशाही और भ्रष्टाचार से लेकर भाई-भतीजावाद और अनुपस्थिति तक नाटक ने हास्यपूर्ण ढंग से ऐसी कई संस्थाओं में व्याप्त खामियों को उजागर किया। एक खास किरदार चपरासी का है जो अपने स्थायी पद के कारण अपनी अछूत स्थिति का फायदा उठाता है और अपने ऑफिस के रहस्यों के ज्ञान का इस्तेमाल अपने सहकर्मियों और बॉस को प्रभावित करने के लिए करता है।एकमात्र किरदार जो सम्मान पाता है वह एक मंत्री का रिश्तेदार है जो अपने संबंधों के कारण परिणामों से मुक्त है। इस बीच विभागाध्यक्ष अपनी जिम्मेदारियों से बचता है और ऑफिस के कामों की तुलना में निजी सुखों को प्राथमिकता देता है। जब एक सतर्कता अधिकारी द्वारा अचानक छापा मारने से जवाबदेही की ओर बदलाव का वादा किया जाता है तो नाटक एक मोड़ लेता है - छापा एक सपना बनकर रह जाता है जिससे भ्रष्टाचार और अक्षमता की यथास्थिति बरकरार रहती है। प्रतिभाशाली युवा कलाकारों में मिहिर गुजराल, आर्यन शर्मा, कार्तिक कुमार, अदक्ष बागल और ललिता शर्मा शामिल थे जिन्होंने किरदारों को बहुत ही शानदार तरीके से जीवंत किया। सरकारी अफसर ने केवल मनोरंजन किया बल्कि सरकारी कार्यालयों में व्याप्त समस्याओं की तीखी आलोचना भी की, जिससे नौकरशाही की वास्तविक कार्यप्रणाली में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह फिल्म हास्य से भरपूर है।

गौ माता के लिए प्रदर्शन का 91वां दिन जारी

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। रविवार को हिंदू युवा समिति द्वारा प्रभु श्री रामचंद्र जी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मूवमेंट कल्कि के सदस्य भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यह शोभायात्रा दवलैहड़ से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से गुजरी। मूवमेंट कल्कि की बोर्ड सदस्य सपना हिंदू और नेहा मल्होत्रा के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। शोभायात्रा में दोनों सदस्यों को विशेष सम्मान मिला, और आयोजन ने श्रद्धालुओं के बीच प्रभु श्री रामचंद्र जी के प्रति भक्ति और श्रद्धा का प्रसार किया।

इस शोभायात्रा के साथ-साथ मूवमेंट कल्कि द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए चलाए जा रहे प्रदर्शन का 91वां दिन भी था। संगठन ने इस आंदोलन को और प्रभावी बनाने के लिए इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया और समाज को गौ माता के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस शोभायात्रा के दौरान भक्तिमय कीर्तन और भजनों ने आध्यात्मिक वातावरण को जीवंत किया, और गौ माता के सम्मान के लिए जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

कठुआ में भारत रत्न डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

कठुआ 19 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को पार्टी कार्यालय कठुआ में आयोजित एक समारोह में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण और हीरानगर के पूर्व विधायक कुलदीप राज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विधायक डॉ. भारत भूषण ने अपने संबोधन में हमारे संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हर भारतीय को समान अवसर प्रदान करता है और इस देश में सभी समान हैं। लिंग और वयस्क मताधिकार के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। कमजोर वर्ग, वंचित और आदिवासियों के लिए संविधान में विशेष प्रावधान है, जिसका उद्देश्य उनके सामाजिक आर्थिक विकास और उत्थान है। हीरानगर के पूर्व विधायक कुलदीप राज ने भारत को मजबूत और जीवंत राष्ट्र बनाने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर के योगदान के बारे में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इससे अवसर पर गोपाल महाजन जिला अध्यक्ष, प्रेम नाथ डोगरा पूर्व जिला अध्यक्ष, डॉ. नरिंदर जसरोटिया, लखनपुर नगर समिति के पूर्व अध्यक्ष रविंदर शर्मा और काका राम, नगरी नगर समिति के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह अंडोत्रा, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा देव राज, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की सचिव रेखा कुमारी, वरिष्ठ भाजपा नेत्री इंदु रेखा, रवि अंडोत्रा, मंडल प्रधान राहुल शर्मा, अजय शर्मा, सुमन देवी, चतर सिंह, दिलावर सिंह, कैप्टन पवन कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी डॉ. बी.आर. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जम्मू म्युनिसिपल कमिश्नर ने बावा कैलख मंदिर में किया दौरा

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। बावा कैलख देव मंदिर प्रबंधक कमेटी के अनुरोध पर जम्मू म्युनिसिपल कारपोरेशन के कमिश्नर डॉ. देवांश यादव ने मंदिर का दौरा किया और बावा कैलख मंदिर में शीश नवाया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य द्वार पर भगवान विष्णु की 3डी मयूरल का अनावरण किया गया। डॉ. यादव ने मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए प्रबंधक कमेटी और नगर निगम द्वारा किए गए निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कैलख सरोवर के सौंदर्यकरण और शौचालय निर्माण कार्य के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मंदिर कमेटी के प्रधान शक्ति दत्त शर्मा ने डॉ. यादव को मंदिर द्वारा संचालित सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कमेटी के चेयरमैन चंद्रमोहन सेठ, फवा महाजन बिरादरी के प्रधान पवन गुप्ता, विजय गुप्ता, प्रभाकर खजुरिया, सतीश गुप्ता, सुभाष शर्मा, नरेश सेठ, अजय शर्मा, साहिल सेठ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे

कांग्रेस पर डॉ. बीआर अंबेडकर की विरासत का अनादर करने का आरोप लगाया

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए उस पर भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर का लगातार अनादर करने का आरोप लगाया। ठाकुर ने दिसंबर 1956 में अंबेडकर की मृत्यु के बाद की एक घटना को उजागर करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने उनके योगदान के प्रति उदासीनता दिखाते हुए उनके परिवार को उनके पार्थिव शरीर को हवाई जहाज से ले जाने का खर्च उठाने के लिए मजबूर किया।

ठाकुर ने अंबेडकर को उनके जीवनकाल में दरकिनार करने और उनके सुधारों में बाधा डालने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कांग्रेस जिसने अंबेडकर और सामाजिक न्याय के लिए उनके दृष्टिकोण को नजरअंदाज किया अब पाखंडी तरीके से उनकी विरासत पर दावा करने की कोशिश कर रही है। उन्हें संविधान दिवस मनाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने अंबेडकर को सम्मानित करने के लिए भाजपा की पहलों जिसमें पंच तीर्थ परियोजना और हाशिए के समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं के साथ कांग्रेस के रिकॉर्ड की तुलना की।

उच्च स्तरीय जांच पैनल गठित करने के गृह मंत्री के फैसले का स्वागत किया

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। रविवार को भाजपा की तरफ से कहा गया है कि राजौरी में रहस्यमयी बच्चों की मौतों पर उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की निष्क्रियता के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निर्णायक कार्रवाई की है। भाजपा प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने मौतों के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी जांच दल के गठन का स्वागत करते हुए यह बात कही है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व वाली इस टीम में स्वास्थ्य, कृषि, रसायन एवं उर्वरक तथा जल संसाधन सहित कई मंत्रालयों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें पशुपालन, खाद्य सुरक्षा और फोरेंसिक विज्ञान के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। जांच दल ने प्रभावित गांवों का दौरा किया है।

पुलिस द्वारा एक ही दिन में दो लापता व्यक्तियों का पता लगाया गया

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। पुलिस पोस्ट सरवाल, जम्मू द्वारा एक ही दिन में दो लापता व्यक्तियों का पता लगाया गया पुलिस पोस्ट सरवाल को जम्मू निवासी एक महिला (नाम गुप्त) के लापता होने के संबंध में एक लिखित शिकायत मिली। लापता महिला का पता लगाने के लिए पुलिस चौकी सरवाल की विशेष टीम का गठन किया गया। इसके अलावा पुलिस पोस्ट सरवाल को जम्मू निवासी एक लड़की (नाम गुप्त) के लापता होने के संबंध में एक लिखित शिकायत मिली। लापता लड़की का पता लगाने और पंजाब से बरामद करने के लिए पुलिस चौकी सरवाल की विशेष टीमें गठित की गईं पीपी सरवाल की दोनों पुलिस टीमों ने कड़े प्रयास किए और तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी की मदद से दोनों लापता व्यक्तियों को पुलिस टीम द्वारा ढूंढ लिया गया और सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद दोनों लापता व्यक्तियों को कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रति किया जागरूक

कठुआ 19 जनवरी (हि.स.)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पंजीकृत विक्रेता श्री साई ट्रेडिंग कंपनी ने जम्मू-कश्मीर के जिला कठुआ में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और सरकारी योजनाओं के तहत पीएमएसजीएमबीवाई अपनाने को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

जिले में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) के प्रति जागरूक करते हुए श्री साई ट्रेडिंग कंपनी ने 3 किलोवाट तक बिजली खपत वाले मध्यम वर्ग के परिवारों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने इस योजना के तहत सौर ऊर्जा इकाइयों पर आकर्षक 60 प्रतिशत सब्सिडी पर प्रकाश डाला, जो उपभोक्ताओं के एक बड़े वर्ग के लिए पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को काफी कम करता है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को सबसे पहले ऑनलाइन या ऑफलाइन सूर्य पोर्टल के माध्यम से पंजिकृत करना होगा जिसके बाद एक महीने के भीतर प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा। जिसकी कंपनी दस साल की वारंटी देती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सौर ऊर्जा प्रणालियों को व्यापक रूप से अपनाने से जिले के बिजली बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता शिविर आयोजित कर जनता को पीएमएसजीएमबीवाई के तहत सौर ऊर्जा के लाभों के बारे में शिक्षित किया जा रहा है।

इंटर-जोनल डिस्प्ले योर टैलेंट 2024-25 का आज तीसरा दिन

जम्मू 19 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे इंटर-जोनल डिस्प्ले योर टैलेंट 2024-25 के तीसरे दिन जम्मू विश्वविद्यालय में वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, कोलाज और पोस्टर मेकिंग के कार्यक्रम आयोजित किए गए। डिस्प्ले योर टैलेंट का नया प्रारूप जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय द्वारा परिकल्पित किया गया है जिसमें दूर-दराज के क्षेत्रों से छात्रों की बड़ी भागीदारी देखी गई है। जम्मू प्रांत के सभी संबद्ध कॉलेजों को 5 जोनों में विभाजित किया गया था। तवी जोन, पीर-पंजाल जोन, देविका जोन, रावी जोन और चिनाब जोन जहां जोनल स्तर पर डिस्प्ले योर टैलेंट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और उन प्रतियोगिताओं के विजेता अब इंटर जोनल स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कार्यक्रमों के सम्मानित निर्णायकों में साहित्यिक गतिविधियाँ प्रो. ललित मगोत्रा, सुश्री एस्तेर विलियम्स और प्रो. एकता गुप्ता शामिल थे। वाद-विवाद में भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन से प्रियंका, एमआईईआर, जम्मू से अदिति महाजन और जीसीडब्ल्यू कठुआ से मुस्कान ठाकुर को क्रमशरू प्रथम, द्वितीय और तृतीय घोषित किया गया।

केवल सूदन शर्मा बने डोगरा ग्रामीण ब्राह्मण सभा के नए अध्यक्ष

अखनूर 19 जनवरी (हि.स.)। डोगरा ग्रामीण ब्राह्मण सभा की कार्यकारिणी समिति की एक विशेष बैठक में सर्वसम्मति से केवल सूदन शर्मा को सभा का नया अध्यक्ष चुना गया। यह निर्णय सभा के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण लाल शर्मा द्वारा खराब स्वास्थ्य के कारण समय से पूर्व पद त्यागने के पश्चात लिया गया। बैठक में सभा के सदस्यों ने केवल सूदन शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए उनसे समाज के उत्थान के लिए सशक्त नेतृत्व की अपेक्षा की।

बैठक के दौरान सभा की कार्यप्रणाली पर गहन चर्चा की गई और ब्राह्मण समाज के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। सभा ने सरकार से ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना की मांग करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को संगठित रूप से सशक्त बनाने के लिए यह एक अहम कदम होगा। इसके अतिरिक्तए नौकरियों और शिक्षा में जनरल कैटेगरी की घटती हिस्सेदारी पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। सभा ने सरकार से इस विषय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया और कहा कि सभी वर्गों को समान अवसर मिलना चाहिए।

शिवसेना की कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित घर वापसी की मांग

जम्मू 19 जनवरी (हि.स.)। पिछले साढ़े तीन दर्शकों से कश्मीरी हिन्दुओं को अपने ही देश व राज्य में विस्थापितों का जीवन जीने के लिए मजबूर होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हितैषी होने का दावा भरने वाली सरकारों ने जमकर सियासी रोटियां सेंकी, बालीवुड ने फिल्में बना अपनी तिजोरियां भरी मगर कश्मीरी हिन्दुओं की सुरक्षित घर वापसी संभव नहीं बन पाई यह कहना है शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का ।पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी नेकहा कहा कि 19 जनवरी 1990 को कश्मीरी हिन्दुओं को कश्मीर घाटी से अपना घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा था। कश्मीर घाटी के इस दौर के हालातों को याद कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

वय वंदना आयुष्मान में बुजुर्ग पंजीकृत होकर उठाएँ नि:शुल्क चिकित्सा का लाभ

कठुआ 19 जनवरी (हि.स.)। जिला विकास आयुक्त कठुआ राकेश मिन्हास के दिशा निर्देश अनुसार जिला चिकित्सा अधिकारी कठुआ डा. विजय रैना के मार्गदर्शन व ब्लाक चिकित्सा अधिकारी हीरानगर डा. स्वामी सरण अंजल के नेतृत्व में हीरानगर ब्लॉक नोडल ऑफिसर डा. गुरू शर्मा की निगरानी में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान योजना के अंतर्गत छन्न अरोड़ियां में वय वंदना पंजीकरण शिविर का आयोजन किया ।

डा. गुरू ने बताया कि आयुष्मान योजना में पहले से ही लोग नि:शुल्क चिकित्सा लाभ ले रहे हैं परन्तु केंद्र सरकार व केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर प्रशासन ने बुजुर्गों के प्रति विशेष रूप से सम्मान देते हुए 70 वर्ष के हर बुजुर्ग के लिए परिवार के सालाना 5 लाख नि:शुल्क चिकित्सा लाभ के साथ साथ हर बुजुर्ग के निजी चिकित्सा लाभ के लिए भी अलग से 5 लाख आयुष्मान योजना के अन्तर्गत लाभ देना सुनिश्चित किया है जिसके लिए 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए वय वंदना योजना के अंतर्गत पंजीकरण शुरू किया गया है। डा. गुरु ने बताया कि पूरे हीरानगर मैडीकल ब्लाक में उप जिला अस्पताल हीरानगर व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में प्रतिदिन पंजीकरण किया जा रहा है

परिवहन आयुक्त ने छात्रों की रैली को हरी झंडी दिखाई

अनंतनाग 19 जनवरी (हि.स.)। चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के हिस्से के रूप में परिवहन आयुक्त विशेष पाल महाजन ने अनंतनाग में सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में छात्रों की रैली को हरी झंडी दिखाई गई जिसका उद्देश्य पूरे जिले में सड़क सुरक्षा का संदेश फैलाना और बचपन से ही यातायात नियमों को अपनाने की जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था।

इसके अलावा परिवहन आयुक्त ने वाहनों पर महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा उपायों के संदेश वाले स्टिकर चिपकाकर एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान का उद्घाटन किया। इन स्टिकर में सीट बेल्ट पहनना, गति सीमा का पालन करना, ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचना और सड़कों पर जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए अन्य उपायों जैसे आवश्यक व्यवहारों पर प्रकाश डाला गया।

वहां प्रमुख रूप से आकर्षक स्टिकर लगे हुए थे जिन पर शक्तिशाली संदेश लिखे हुए थे जैसे कि उनके बारे में सोचें जो आपसे प्रेम करते हैं उनके लिए सुरक्षित ड्राइव करें धीमी गति से चलें कोई आपसे प्रेम करता है卐 तथा सुरक्षित ड्राइव करें: जीवन बचाएं आपका परिवार आपका इंतजार कर रहा है आदि।

कार्यक्रम में बोलते हुए विशेष पाल महाजन ने सड़क सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया और सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार की संस्कृति को बढ़ावा देने में समाज, मीडिया की भूमिका पर जोर दिया और सभी हितधारकों से इस मिशन में योगदान देने का आग्रह किया।इस पहल में स्थानीय ड्राइवरों, युवाओं और समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई। यह पहल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े अभियान का हिस्सा है।

बाद में परिवहन आयुक्त ने जुड्डर में कार्यालय सह ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि का दौरा किया। परिवहन आयुक्त ने आगे दोहराया कि आवेदकों को 54 उपलब्ध ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग एजेंट के रूप में करना चाहिए और दलालों का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा विभाग आम जनता और विशेष रूप से ट्रांसपोर्टरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कश्मीर, काजी इरफान रसूल ने सड़कों पर दुर्घटनाओं को कम करने और सड़कों पर सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध हर संसाधन का उपयोग करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

बाद में एआरटीओ अनंतनाग ने नाबालिग छात्रों के बीच 18 वर्ष की आयु से पहले या ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पात्र होने से पहले वाहन नहीं चलाने के लिए शपथ समारोह आयोजित किया।

वार्षिक दिवस जीवंत सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ मनाया गया

जम्मू 19 जनवरी (हि.स.)। भारद्वाज अकादमी बरुई का वार्षिक दिवस समारोह बहुत उत्साह और जीवंत सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ मनाया गया। जम्मू उत्तर के विधायक और जम्मू.कश्मीर के पूर्व मंत्री श्री शाम लाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई जो अंधकार को दूर करने और ज्ञान के प्रसार का प्रतीक है। इसके बाद छात्रों द्वारा अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए रंगारंग और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला पेश की गई। माता-पिता, शिक्षक और गणमान्य व्यक्तियों सहित दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों को देखकर पूरी तरह से मंत्रमुग्ध हो गए।

सभा को संबोधित करते हुए श्री शाम लाल शर्मा ने समग्र शिक्षा और चरित्र निर्माण के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा भारद्वाज अकादमी न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता पर बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर भी ध्यान केंद्रित करके एक सराहनीय उदाहरण स्थापित कर रही है। ये मूल्य एक जिम्मेदार और प्रगतिशील समाज की नींव हैं। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और छात्रों के प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। उन्होंने नैतिक और मूल्य.आधारित शिक्षा को सीखने की प्रक्रिया में एकीकृत करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा शिक्षा तभी पूरी होती है जब यह छात्रों को दयालु, नैतिक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्ति बनने के लिए तैयार करती है।

सूदन ब्राह्मण बिरादरी की वार्षिक बैठक आयोजित, 26 जनवरी को वार्षिक मेल का होगा आयोजन

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। जम्मू जिले के भलवाल तहसील में जंडियाल स्थित बाबा सत्तो सिद्ध जी मंदिर में रविवार को सूदन ब्राह्मण बिरादरी की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष मदन लाल सूदन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य आगामी वार्षिक मेल की तैयारियों पर चर्चा करना था, जो 26 जनवरी 2025, रविवार को आयोजित की जाएगी।

बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि देवस्थान पर पूजा और हवन का शुभारंभ सुबह 10:00 बजे किया जाएगा, जिसमें पूर्णाहुति का समय 11:00 बजे तय किया गया है। इसके उपरांत, दोपहर 2:00 बजे लंगर प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बिरादरी की कार्यकारिणी समिति ने जम्मू-कश्मीर सहित अन्य राज्यों में निवास कर रहे सभी समुदाय के सदस्यों से इस वार्षिक मेल में बढ़-चढ़कर भाग लेने और देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

बिरादरी के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि माघ मास शुल्क के दूसरे रविवार को बाबा सत्तो सिद्ध जी के जन्मदिन को वार्षिक मेले के रूप में मनाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि मेले की तिथि नजदीक आते ही देवस्थान में सफाई और सजावट का कार्य पूरे उत्साह से चल रहा है। समिति के सदस्य समय की कमी के बावजूद दिन-रात मेहनत कर इस पवित्र स्थल को सजाने और आयोजन को यादगार बनाने में जुटे हुए हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि इस पवित्र आयोजन का उद्देश्य बिरादरी के सभी सदस्यों को एकजुट करना और धर्म व संस्कृति के प्रति उनकी आस्था को मजबूत करना है। यह वार्षिक मिलन बिरादरी के लिए न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यकारिणी ने सभी बिरादरी के सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे इस वार्षिक मेल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करें। साथ ही, लंगर प्रसाद के आयोजन में भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

कई युवा वाईएनसी में शामिल, नेकां नेता ने किया स्वागत

जम्मू, 19 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने रविवार को एक बैठक के दौरान युवा सशक्तिकरण के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया और उन्हें समाज की रीढ़ बताया। शेर-ए-कश्मीर भवन में जम्मू शहरी वाईएनसी के जिला अध्यक्ष एस. तेजिंदर सिंह अमन द्वारा आयोजित एक ज्वाइनिंग कार्यक्रम में बोलते हुए गुप्ता ने केंद्र सरकार की आलोचना की कि वह जम्मू-कश्मीर के विकास के संबंध में 5 अगस्त, 2019 को किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।बढ़ती बेरोजगारी और 85,000 करोड़ रुपये के अधूरे एमओयू पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर में प्रमुख उद्योगों की अनुपस्थिति पर दुख जताया। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा युवा सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने की प्रशंसा की और नए सदस्यों से सरकारी उद्यमिता योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया। इसी बीच जम्मू के प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद ने जमीनी स्तर पर भागीदारी पर जोर दिया जबकि तेजिंदर सिंह अमन ने बेरोजगारी की चुनौतियों को संबोधित किया और युवाओं के उत्थान के लिए जेकेएनसी के प्रयासों की सराहना की।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में कैपेक्स कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

राजौरी 19 जनवरी (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस नौशेरा में जिला कैपेक्स बजट के तहत चल रहे कार्यों की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एडीसी नौशेरा बाबू राम टंडन, एसीडी विजय वर्मा सहित अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने सभी चल रहे विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने और जिले के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए समय पर परियोजना निष्पादन के महत्व पर जोर दिया।

उत्तरदायी शासन के महत्व को रेखांकित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनता की शिकायतों को उनके दरवाजे पर ही दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने सेवा वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए जमीनी स्तर पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के सख्त कार्यान्वयन का भी आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जनता के समक्ष आने वाली समस्याओं के समाधान में सक्रिय दृष्टिकोण बनाए रखने का आग्रह किया तथा परियोजनाओं के निर्बाध क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

संपादकीय

धूम्रपान की समस्या पर लगाम

जम्मू में सार्वजनिक स्थानों पर लोगों द्वारा धूम्रपान करने की बढ़ती समस्या को देखते हुए, रेस्तरां और बार के कॉमन एरिया में धूम्रपान करने की समस्या को देखते हुए, खाकी वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के लिए इस समस्या पर प्रभावी तरीके से लगाम लगाना आवश्यक हो गया है, क्योंकि संबंधित विभागों द्वारा लंबे समय से सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना अपराध घोषित किया गया है।

इस संदर्भ में, कथित तौर पर श्रीनगर पुलिस ने शहर के लाल चौक क्षेत्र में धूम्रपान विरोधी अभियान चलाया है और सार्वजनिक क्षेत्रों में धूम्रपान करते पकड़े गए व्यक्तियों पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया है। सार्वजनिक क्षेत्रों में धूम्रपान पर लगाम लगाने और धूम्रपान करने पर प्रतिबंध लगाने के लिए यह आवश्यक हो गया है।

यह उल्लेख करना उचित है कि यूटी की ग्रीष्मकालीन राजधानी में पहले भी इसी तरह के धूम्रपान विरोधी अभियान चलाए गए हैं, लेकिन यूटी की शीतकालीन राजधानी में ऐसा बहुत कम देखा गया है।

कथित तौर पर, धूम्रपान प्रतिबंध को लागू करने के लिए, पुलिस अधिकारियों को अपराधियों पर जुर्माना लगाते हुए और स्वच्छ और स्वस्थ सार्वजनिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कानून का पालन करने के महत्व पर जोर देते हुए देखा गया।

कुल मिलाकर, इस मामले में निर्णायक कार्रवाई समय की मांग है क्योंकि सरकार धूम्रपान करने वाले समुदाय को धूम्रपान न करने वालों के जीवन को गहरे खतरे में डालने की अनुमति नहीं दे सकती। यह महत्वपूर्ण है कि सरकार धूम्रपान की आदत से जुड़े खतरों के बारे में सभी को शिक्षित करने के लिए कठोर अभियान चलाए क्योंकि ऐसा लगता है कि सिगरेट के पैकेट पर दी गई चेतावनी उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर रही है। कुल मिलाकर, यह जरूरी हो गया है कि जम्मू में पुलिस भी श्रीनगर में अपने समकक्षों की तरह ही पहल करे। श्रीनगर में अधिकारियों ने धूम्रपान प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाकर आशाजनक कदम उठाए हैं, जिससे इस कुप्रथा को समाप्त करने के अपने संकल्प के बारे में एक मजबूत संदेश गया है। यह जरूरी हो गया है कि जम्मू में भी स्थानीय अधिकारी औचक निरीक्षण करके और निर्धारित जुर्माना लगाकर लोगों को सार्वजनिक रूप से धूम्रपान करने से रोकने के लिए कदम उठाएं। धूम्रपान के साथ-साथ निष्क्रिय धूम्रपान के नुकसानों को जानने के बाद, यदि निजी स्थानों पर नहीं तो सार्वजनिक क्षेत्रों में धूम्रपान मुक्त वातावरण बनाए रखना आवश्यक हो गया है, क्योंकि जिन परिवारों में बुजुर्ग अपने बच्चों और अन्य छोटे सदस्यों की उपस्थिति में धूम्रपान करते हैं, उनके अनजाने में धूम्रपान के कारण बीमार पड़ने की संभावना रहती है, जो विशेषज्ञों के अनुसार सक्रिय धूम्रपान से अधिक हानिकारक है।

बीते जमाने की बात होती सोशियोट्रॉपी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सामाजिक ताने-बाने में बदलाव को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि सोशियोट्रॉपी आज बीते जमाने की बात होती जा रही है। कोरोना के बाद तो हालात में और भी अधिक बदलाव आया है।

आज की पीढ़ी में सामाजिकता का स्थान वैयक्तिकता लेती जा रही है। एक समय था जब सामाजिकता को वैयक्तिकता के स्थान पर अधिक तरजीह दी जाती थी। परिवार, मोहल्लों और आसपास कोई ना कोई ऐसे अवश्य मिल जाते थे जो जगत मामा तो कोई जगत काका तो कोई जगत दादा होते थे।

छोटा हो या बड़ा, दादी हो या पोती, सास हो या बहू सब उन्हें प्रसिद्ध नाम से ही पुकारते थे। यह था एक तरह का अपनत्व। इस तरह के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति सभी के चहेते होते थे तो जान-पहचान हो या ना हो, वे जरूरत के समय पहुंच जाते थे। सुख-दुख खासतौर से मुसीबत के समय ऐसे व्यक्ति आगे रहते थे। हालांकि आज इस तरह के व्यक्तित्व को ढूंढ़ना लगभग असंभव सा है।

दरअसल, हमारी परंपरा व्यष्टि का ना होकर समष्टि की रही है। बच्चों को पहले सामाजिकता का पाठ पढ़ाया जाता था। बच्चे मोहल्ले के सभी घरों को अपना ही घर मानकर चलते थे तो मोहल्ले में रहने वाले किसी का भी बच्चा हो उसे अपने बच्चे जितना ही प्यार और दुलार देते थे।

दुख-दर्द में पूरा मोहल्ला साथ हो जाता था। मोहल्ले में किसी घर में मौत हो जाती थी तो पड़ोसी उस परिवार को संभालने और देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं अपने हाथ में ले लेते थे। शादी-विवाह में काम बंट जाता था, आज तो कैटरिंग का जमाना आ गया नहीं तो सैकड़ों लोगों को परिवार और मोहल्ले के युवा ही भोजन कराने की जिम्मेदारी निभा लेते थे। हलवाई के काम शुरू करते ही मोहल्ले के लोग बारी-बारी से देखरेख व सहयोग के लिए तैयार रहते थे। आज यह सब बदल गया है। गगनचुंबी इमारतों में कई परिवार रहते हैं और हालात यहां तक हो गए हैं कि एक ही कॉम्पलेक्स या अपार्टमेंट में रहने वाले एक-दूसरे को पहचानते नहीं। ऐसे में आपसी सहयोग और मेल-मिलाप की बात करना बेमानी होगा।

सोशियोट्रापी मनोविज्ञान में प्रयोग होता है। इसे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही अर्थों में लिया जाता है। दूसरों को खुश रखने की खुशी में अपने खुशी को भूल जाना वाली मनोस्थिति को भी सोशियोट्रापी के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि इस एकांगिग अर्थ को लेने के चक्कर में सोशियोट्रापी मानसिकता वाले लोगों के अवसादग्रस्त, तनाव पीड़ित और हमेशा चिंतित रहने की मनोदशा को साइड इफेक्ट के रूप में देखा जाता है। जबकि सोशियोट्रापी यहीं तक सीमित नहीं है। दूसरे के दुख-दर्द में भागीदार होना, आवश्यकता के समय निःस्वार्थ सहयोग व सहायता करना, दूसरे की परेशानी को समझना और उसे दूर करने में यथासंभव सहयोग करना यह सोशियोट्रापी का ही एक रूप है। हमारी परंपरा में जो व्यक्ति केवल अपने आप के बारे में सोचता है उसे एकलखोर या स्वार्थी कहा जाता रहा है। हमारी परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम की रही है। हमारी परंपरा में दूसरे की उन्नति देखकर प्रसन्न होने की भावना रही है। खुशी के मौके पर मिठाई बांटना खुशी में सभी को भागीदार बनाना है। इसी तरह से जरूरत के समय खड़े हो जाना जरूरतमंद के लिए संबल होता है।

देखा जाए तो बदलते सामाजिक ताना-बाना से सबकुछ बदल कर रख दिया है। एकल परिवार की संस्कृति समाज में अपना प्रभुत्व जमा चुकी है। परिवार पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित होता जा रहा है। जो भावनात्मकता संबंधों को तरोताजा रखती थी वह भावनात्मकता कहीं खो गई है। अवकाश के दिनों का उपयोग दादा-दादी या नाना-नानी के पास गुजारने के स्थान पर कहीं घूमने में जाया होने लगा है। एक समय था जब गांव से यात्रा पर भी जाते थे तो गांव के कई परिवार के लोग उस भ्रमण दल में होते थे। हालात तो यहां तक होने लगे हैं कि घर के बुजुर्ग सदस्य को जिसे साथ की अधिक आवश्यकता है, घर की देखभाल के लिए छोड़ना आज आम होता जा रहा है। खुशी के पल को साझा करने का तरीका भी बदल गया है। जिस तरह की प्राथमिकताएं बदली हैं वह पीपल प्लीजर के स्थान पर सेल्फ प्लेजर होती जा रही है।

दरअसल सामाजिकता के जो मायने एक समय होते थे उसमें कोई क्या कहेगा महत्वपूर्ण होता था, सामाजिक प्रतिक्रिया का बड़ा भय होता था, आज हालात यह है कि मां-बाप क्या कहेंगे इसकी भी परवाह नहीं रही है। दरअसल न्यूक्लियर फैमेली के यह साइड इफैक्ट है जो लोगों को सोशियोट्रापी से दूर ले जाते हैं। पाश्चात्य देशों द्वारा अब इसकी अहमियत सामने आने लगी है। ब्रिटेन में पिछले दिनों एक अध्ययन में सामने आया है कि अब बच्चों का जब भी मौका मिलता है परिवार यानी दादा-दादी या नाना-नानी का साथ जरूरी माना जाने लगा है। क्योंकि सामाजिक ताना-बाना में बिखराव के कारण ही आज की पीढ़ी रिश्तों की अहमियत भूलती जा रही है। दादा-दादी या नाना-नानी में से एक तो पराया होता जा रहा है। जब खास रिश्तों के ही यह हालात होते जा रहे हैं, परिवार के मायने ही बदलते जा रहे हैं तो फिर अड़ोस-पड़ोस, मोहल्ले या शहर-गांव के रिश्तों की बात करना ही बेमानी होगा।

आज की पीढ़ी के सामाजिकता से दूर होने के नकारात्मक प्रभाव समाज के सामने आने लगे हैं। पाश्चात्य देश अब रिश्तों की अहमियत को समझने की दिशा में आगे बढ़ने लगे हैं वहीं हम रिश्तों की अहमियत और सामाजिकता खोते जा रहे हैं। यह अपने आप में गंभीर चिंता का विषय है। समाज और समाज विज्ञानियों व मनो विज्ञानियों को हालात की गंभीरता को समझते हुए समय रहते हालात को सुधारने के प्रयास करने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लगा सकता है लंबी छलांग

डॉ. आर.के. सिन्हा

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा देने वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के ख़ानपान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े-लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं।

अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है।

इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन तेजी से विकसित किये जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है।

सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

अब मेक इन इंडिया की बात। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है।

2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है।

सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है।

2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है।

यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है।

यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए हैं। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा ।

रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है।

हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है।

शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक, नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

अररिया का सुंदरनाथ धाम, जहां से मुख्यमंत्री 22 जनवरी को करेंगे प्रगति यात्रा की शुरुआत

फारबिसगंज/अररिया, 19 जनवरी ।सुंदरनाथ धाम का धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व काफी पुराना है। बिहार कभी सबसे अमीर और विविध जातीयता का केंद्र था। चाहे रामायण हो, महाभारत हो, या बौद्ध धर्म, इन सभी की बिहार की समृद्ध संस्कृति के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बिहार में आज भी बौद्ध काल और महाभारत काल के मंदिर मौजूद हैं, जो अत्यंत लोकप्रिय हैं। आज हम आपको महाभारत काल के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे दो देशों के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। हम बात कर रहे हैं अररिया के सुंदरनाथ धाम शिव मंदिर की, जो अररिया जिले के कुर्साकाटा प्रखंड की डुमरी पंचायत में स्थित है। इस मंदिर में रोजाना भारी संख्या में नेपाली श्रद्धालुओं के साथ भारतीय लोग भी जलाभिषेक करने पहुंचते हैं वही, आगामी 22 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अररिया जिला के कुर्साकांटा प्रखंड में स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर सुंदरनाथ धाम में आगमन होने जा रहा है और मुख्यमंत्री अररिया में अपनी प्रगति यात्रा की शुरुआत यही पूजा अर्चना करके करेंगे।

बता दें की महाभारत काल से जुड़े इस मंदिर का काफी विशेष महत्व भी है, जहां कभी पांडवों को अज्ञातवास मिला था और अज्ञातवास में पांडव और माता कुंती नेपाल के राजा विराट के यहां रुके थे और उन्होंने इसी मंदिर में जलाभिषेक कर शिव की आराधना की थी। महाभारत में भी इस बात के प्रमाण मौजूद हैं कि पांडवों का अज्ञातवास राजा विराट के इन्हीं क्षेत्र में गुजारा था इसलिए यह मंदिर अपने आप में एक इतिहास है। सुंदरी नाथ धाम से एक और इतिहास जुड़ा हुआ है कि सन् 1935 के पहले इस मंदिर पर नागा साधुओं का कब्जा हुआ करता था, लेकिन धीरे धीरे स्थानीय लोगों ने नागा साधुओं से मंदिर को मुक्त कराकर अपने कब्जे में ले लिया और इसमें भव्यता लाना शुरू किया। इसके पहले यह मंदिर फूस की झोपड़ी में था। इस मंदिर से एक और इतिहास जुड़ा हुआ है कि सैकड़ों साल पहले अपने भ्रमण काल के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी इस धर्मस्थल से होकर यात्रा कर चुके हैं।

सुंदरनाथ मंदिर की ऐतिहासिक मान्यता और भव्यता के कारण नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस मंदिर के दर्शन किये थे।

बता दें कि एक चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अररिया के फारबिसगंज पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत भी सुंदरी नाथ मंदिर की चर्चा करते हुए की थी। उन्होंने कहा था- इस मंदिर की जानकारी मुझे मिली है और यह मंदिर अपने आप में एक इतिहास है।इस प्रांगण में एक भव्य शिव मंदिर है, साथ ही माता पार्वती का भी मंदिर है। मंदिर से करीब एक बड़ा तालाब है, जहां श्रद्धालु स्नान करते हैं और जल भरकर शिवलिंग पर जल अर्पण करते हैं।

अंकुश, अमन व अभव्या ने उत्तर प्रदेश को दिलाई शानदार शुरुआत

एजेंसी

लखनऊ। अंकुश कुमार, अमन पाल व अभव्या तिवारी ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्कांडो चैंपियनशिप -2025 ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर मेजबान उत्तर प्रदेश को शानदार शुरुआत दिलाई। मिनी इंडोर स्टेडियम, राजाजीपुरम में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऑफिशियल ग्रुप की स्पर्धाओं के पहले दिन आंध्र प्रदेश ने दो स्वर्ण जबकि हरियाणा व दिल्ली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीते। ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया। चैंपियनशिप में 24 राज्यों व इकाईयों की टीमों से 1700 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिसमें सीआरपीएफ, आईटीबीपी, कुमाऊं रेजीमेंट और सर्विसेज के खिलाड़ी भी शामिल है। पहले दिन हुई स्पर्धाओं में सब जूनियर बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के तन्विथ उदय ने स्वर्ण, मणिपुर के मालेमंगनबा नुंगलेप्पम ने रजत पदक एवं उत्तर प्रदेश के अक्षत सूर्यांश व नवदीप मिश्रा ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका व्यक्तिगत पूमसे में दिल्ली की नायशा शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश की वर्णिका कपूर को रजत एवं उत्तर प्रदेश की ही आरवी सिंह व समृद्धि आर्या ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका व्यक्तिगत पूमसे में अभव्या तिवारी ने स्वर्ण, आर्शी सिंह ने रजत, अंशिका खोखर व कौशिकी सिंह यादव (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते।

बुमराह की उपलब्धता पर संदेह,अर्शदीप पर भरोसा: रोहित

मुंबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिये चयन के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार पेस बॉलर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर संदेह व्यक्त करते हुये कहा कि उन्हे अर्शदीप सिंह से उम्मीद है कि वह बुमराह की कमी को दूर करेंगे।चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा के बाद पत्रकारों से बातचीत में रोहित ने कहा ÷ हम जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर निश्चित नहीं हैं, इसलिए हम चाहते थे कि अर्शदीप सिंह आकर वह भूमिका निभाये। हमने केवल तीन सीमर लिए हैं क्योंकि हम इन ऑलराउंडरों को अपने साथ रखना चाहते थे। मोहम्मद सिराज को टीम में नहीं लिये जाने के फैसले पर उन्होने कहा वह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह (मोहम्मद सिराज) हमारे साथ नहीं हैं। अर्शदीप ने बहुत ज्यादा वनडे नहीं खेले है, लेकिन वह हमेशा सफ़ेद गेंद से खेलते रहे हैं, इसलिए मैं यह नहीं कहूँगा कि उनके पास अनुभव नहीं है और मोहम्मद शमी सफ़ेद गेंद क्रिकेट के दिग्गज रहे हैं। हर्षित ने भी अपनी क्षमता दिखाई है। यशस्वी जायसवाल के चयन को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा हमने उन्हें पिछले कुछ महीनों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना है, हालाँकि उन्होंने हाल के दिनों में कोई वनडे नहीं खेला है, लेकिन हम उनकी क्षमता जानते हैं। घरेलू क्रिकेट में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों की भागीदारी पर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा ÷ पिछले 6-7 सालों में ऐसा समय नहीं आया जब हम 45 दिनों तक घर पर बैठे रहे हों। हमारा घरेलू सत्र अक्टूबर में शुरू होता है और उस समय भारत भी काफी क्रिकेट खेलता है।

38वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर मौलि पहुँचा पिथौरागढ़, भव्य स्वागत

पिथौरागढ़/नैनीताल। 38वें राष्ट्रीय खेलों से जुड़ा शुभंकर मौलि पिथौरागढ़ पहुंचा और स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य स्वागत किया गया। उत्तराखंड में पहली बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न जिलों में अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।आगामी 28 जनवरी को देहरादून में इन खेलों का शुभारंभ होगा। राष्ट्रीय खेलों के प्रचार-प्रसार और खेलों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कुछ समय पहले हल्द्वानी से विभिन्न हिस्सों के लिए राष्ट्रीय खेलों की मशाल और शुभंकर मौलि को रवाना किया गया था। आज इसी क्रम में मौलि पिथौरागढ़ पहुंचा। जिलाधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी और पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव ने स्वयं स्पोर्ट्स स्टेडियम में मौली का स्वागत किया। इस दौरान युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। राष्ट्रीय खेलों के तहत पिथौरागढ़ में बाक्सिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है।

नोमान के पंजे से वेस्टइंडीज बेदम,पाक को मिली 202 रन की बढ़त

मुल्तान। नोमान अली (39 रन पर पांच विकेट) और साजिद खान (65 रन पर चार विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन वेस्टइंडीज की पहली पारी 137 रन पर समेट कर 93 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट खोकर 109 रन बना लिये थे और इस प्रकार उसकी कुल लीड 202 रन की हो चुकी है। कामरान गुलाम नौ और सउद शकील दो रन बना कर क्रीज पर टिके हुये थे। इससे पहले कप्तान शान मसूद (52) और मोहम्मद हुरैरा (29) ने 67 रन जोड़े। मसूद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गये। पहली पारी में आठ रन का योगदान देने वाले बाबर आजम (5) का बल्ला आज भी नहीं चला और वह 11 गेंद खेल कर वारिकेन का दूसरा शिकार बने। इससे पहले साजिद खान ने अपने पहले स्पेल के लगातार दो ओवरों में मिकाइल लुइस (1),केसी कार्टी(0) और केवम हॉज (4) का विकेट चटका कर मेहमान टीम के खेमे में हलचल मचा दी वहीं दूसरे छोर पर नोमान अली वेस्टइंडीज पर कहर बरपा रहे थे।

कर्नाटक 5वीं बार बना विजय हजारे ट्रॉफी का चैम्पियन, विदर्भ को 36 रनों से दी मात

एजेंसी

वडोदरा। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के हाईस्कोरिंग फाइनल मैच में कर्नाटक ने विदर्भ को 36 रन से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में मिली जीत से साथ कर्नाटक पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी का चैम्पियन बना। इस मैच में कर्नाटक ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। विदर्भ की टीम 349 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 48.2 ओवर में 312 रनों पर ऑलआउट हो गई और 36 रनों से मैच हार गई। कर्नाटक के लिए स्मरण रविचंद्रन के शतक (101) और कृष्णन श्रीजीत के (78) और अभिनव मनोहर (79) की शानदार पारियों खेली। इस मैच में विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और छठे ओवर में यश ठाकुर की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल (8) के आउट होने से टीम को शुरुआती सफलता मिली। इसके बाद कप्तान मयंक अग्रवाल

(32) और केवी अनीश (21) भी पवेलियन लौट गए। स्मरण और श्रीजीत ने चौथे विकेट के लिए 160 रनों की बड़ी साझेदारी कर कर्नाटक को मैच में वापस ला दिया। अभिनव मनोहर ने 188.09 की स्ट्राइक रेट से मात्र 42 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कर्नाटक ने पहली पारी 348/6 पर समाप्त की और विदर्भ को बड़ा लक्ष्य दिया। विदर्भ के लिए दर्शन नालकांडे और नचिकेत भूते ने 2-2 विकेट हासिल किए। विदर्भ के लिए ओपनर ध्रुव शौरी के शानदार शतक (110) रनों की पारी खेली लेकिन वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। उनके अलावा हर्ष दुबे ने (63) की धमाकेदार पारी खेली। लेकिन विदर्भ की टीम लक्ष्य का पीछा करने से 36 रन पीछे रह गई। इस मैच में टीम के स्टार बल्लेबाज और कप्तान करुण नायर का बल्ला नहीं चला जो विदर्भ के हारने की वजह बना। नायर 27 रनों की पारी खेल प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल पर बोल्ड हो गए। उनके अलावा यश कदम (15), जितेश शर्मा (34), शुभम दुबे (8) और अपूर्व वानखेड़े (12) रन बनाकर आउट हो गए। कर्नाटक के लिए अभिलाष शेट्टी, प्रसिद्ध कृष्णा और वासुकी कौशिक ने 3-3 विकेट हासिल किए और उनकी टीम को 36 रनों से जीत दिला दी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज डेनिस लॉ का 84 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज स्ट्राइकर और बैलन डी'ओर जीतने वाले एकमात्र स्कॉटिश फुटबॉलर डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। द किंग और द लॉमैन के नाम से मशहूर लॉ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 11 साल बिताए, जहाँ 404 मैचों में 237 गोल करके वे वेन रूनी और सर बॉबी चार्लटन के बाद क्लब की सर्वकालिक स्कोरिंग सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

एबरडीन में जन्मे लॉ ने इटली के टोरिनो में रिकॉर्ड-तोड़ कदम उठाने से पहले हडर्सफ़ील्ड टाउन के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। उन्होंने मैनचेस्टर सिटी में भी कुछ समय बिताया और मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापस लौटे, जहाँ उन्होंने एक फ़ुटबॉल आइकन के रूप में अपनी स्थिति को मज़बूत किया। लॉ ने स्कॉटलैंड के लिए 55 मैच खेले और 30 अंतरराष्ट्रीय गोल किए, जिससे वे देश के इतिहास में संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर बन गए। खेल के अग्रणी, लॉ तीन बार ब्रिटिश ट्रांसफर रिकॉर्ड बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उनका प्रभाव मैदान से परे था, और उन्होंने क्लब और देश दोनों के लिए एक अमिट विरासत छोड़ी। 2021 में, लॉ ने अल्जाइमर रोग और संवहनी मनोभ्रंश के अपने निदान का खुलासा किया। उनके परिवार ने एक बयान जारी किया और कहा, यह बहुत भारी मन से है कि हम आपको बताते हैं कि हमारे पिता डेनिस लॉ का दुखद निधन हो गया है। उन्होंने एक कठिन लड़ाई लड़ी लेकिन आखिरकार अब वह शांति से हैं। हम उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहते हैं जिन्होंने अतीत में और हाल ही में उनकी भलाई और देखभाल में योगदान दिया। हम जानते हैं कि लोगों ने उनका कितना समर्थन किया और उन्हें कितना प्यार दिया और उस प्यार की हमेशा सराहना की गई। धन्यवाद।

लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम क्रिकेट मैच खेलने के लिए नेपाल रवाना, आनंद सागर करेंगे कप्तानी

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने के लिए नेपाल रवाना हुई है। यह क्रिकेट टूर्नामेंट (टी-20 जय नेपाल कप) त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू, नेपाल में 20 जनवरी से 28 जनवरी तक काठमांडू , नेपाल में आयोजित किया जा रहा है। पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम किसी दूसरे देश में खेलने जा रही है । इस टीम की कप्तानी आनंद सागर कर रहे हैं।इस क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत, नेपाल, बांग्लादेश और यूनाइटेड अरब अमीरात की विभिन्न विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम को रवाना होने से पहले क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने कुलपति आलोक कुमार राय का परांजपे पवेलियन ग्राउंड में स्वागत किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति ने इस क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं दी।

क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि आज तक लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार कोई टीम इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलेगी। यह सब कुलपति के कुशल नेतृत्व और प्रेरणा से संभव हो पाया है । विश्विद्यालय टीम को रवाना करने के लिए भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। जिनमें क्रमशः क्रीड़ा परिषद के चेयरमैन डॉ. आर. बी. सिंह , क्रिकेट प्रेसिडेंट डॉ. एस. ए. अल्वी, प्रो. मनुका खन्ना प्रति कुलपति, प्रो. राकेश द्विवेदी, आदि उपस्थित रहे। क्रिकेट की 17 सदस्यीय टीम के साथ मुख्य कोच उबैद कमाल एवं सहायक कोच शोएब कमाल तथा मैनेजर डॉ अरुण कुमार हैं। टीम के कप्तान आनन्द सागर है। कुलपति ने क्रिकेट टीम को भारत का झंडा एवं क्रीड़ा परिषद लखनऊ विश्वविद्यालय का झंडा देकर रवाना किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के मार्शल प्रोफेसर राकेश द्विवेदी ने कुलपति आलोक राय को लखनऊ विश्वविद्यालय के कीड़ा परिषद की कैप भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय अपना पहला मैच दिल्ली विश्वविद्यालय से 23 जनवरी को खेलेगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 जनवरी को त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू नेपाल के मुख्य ग्राउंड पर होगा।

17 सदस्य दल में निम्नलिखित खिलाड़ी शामिल हैं-

आनंद सागर कैप्टन, मनोज कांडपाल, आदित्य प्रताप सिंह, अमृत सिंह ,अर्जुन रायज्यादा, ओंकार सिंह ,अंश रावत, सैयद मोहम्मद मेहंदी, आशीष यादव, अभिषेक सोनी, यशवर्धन सिंह अभिषेक प्रकाश, सैयद मोहम्मद रिजवी, हर्षवर्धन प्रताप सिंह, सिद्धार्थ दीक्षित एवं राहुल दास हैं।

3 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चमके मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी

एजेंसी

मुरादाबाद। 33 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मुरादाबाद मंडल के सीनियर खिलाड़ियों ने गोल्ड व सिल्वर मेडल प्राप्त किए हैं। सभी विजेता खिलाड़ियों का नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्टर्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में स्वागत अभिनंदन किया गया।

प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रदीप कुमार सक्सैना व उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक ने बताया कि 14 व 15 जनवरी को लालपुर स्टेडियम वाराणसी में यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित हुई। जिसमें जनपद मुरादाबाद के सीनियर खिलाड़ियों में कमलेश सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर की स्टीपल चेज रेस में गोल्ड मैडल प्राप्त किया, यशपाल सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर स्टीपल चेज रेस में

गोल्ड मेडल प्राप्त किया। जनपद अमरोहा के रामवीर सिंह ने त्रिकूद जम्प में गोल्ड मेडल, चक्का फेंक में सिल्वर मैडल व गोला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया। उक्त पदक विजेता खिलाड़ी बेगलरू में माह मार्च में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम से प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर कमलेश सिंह, यशपाल सिंह, रामवीर सिंह का नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्टर्स स्टेडियम में स्वागत अभिनंदन किया गया।

दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत के साथ भारतीय महिला टीम खो खो विश्व कप 2025 के फाइनल में पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला खो खो टीम ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खो खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 66-16 से हराकर एक बार फिर अपनी सामरिक क्षमता का परिचय दिया। ब्लू में महिलाओं ने अटैक और डिफेंस दोनों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे नेपाल के साथ रोमांचक फाइनल मुकाबला तय हो गया। 19 जनवरी (रविवार) को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

ब्लू जर्सी में महिलाओं ने चैथरा बी के ड्रीम रन के साथ शानदार शुरुआत की, जो नाजिया बीबी और निर्मला भाटी के डिफेंडरों द्वारा पकड़े जाने के बाद भी जारी रही। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की सिनेथेम्बा मोसिया द्वारा बाहर किए जाने से पहले अकेले ही 5 अंक बनाए। यह उन्हें

टर्न 1 के अंत में दक्षिण अफ्रीका के 8 अंकों के करीब ले जाने के लिए पर्याप्त था, जिससे उन्हें मैच की शानदार शुरुआत मिली। टर्न 2 में रेशमा ने पूरे फॉर्म में खेल दिखाया। भारतीय महिलाओं ने दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को कई बैचों में आउट किया और महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। यह टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि स्कोर ब्लू जर्सी में भारतीय महिलाओं के पक्ष में 33-10 था। भारतीय महिला टीम के लिए अपने दूसरे मैच में ड्रीम रन टर्न 3 के अंत में आया। इस दौरान वैष्णवी पोवार, नसरीन शेख और भीलरदेवी ने 5 मिनट तक अच्छा खेल दिखाया। उनके 5 अंक तीसरे टर्न के प्रतीक थे, क्योंकि स्कोर 38-16 था, जिससे उन्हें सेमीफाइनल मुकाबले के अंतिम 7 मिनट में एक मजबूत मंच मिला। टर्न 4 में दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के लिए सबसे लंबा बैच सिर्फ 1 मिनट और 45 सेकंड तक चला, जिससे भारतीयों ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। नसरीन शेख और रेशमा राठौड़ ने टीम को जीत दिलाई और अंतिम स्कोर 66-16 रहा।

मैच पुरस्कारः

मैच का सर्वश्रेष्ठ अटैकरः सिनेथेम्बा मोसिया (टीम साउथ अफ्रीका)

मैच का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरः निर्मला भाटी (टीम इंडिया)

मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीः वैष्णवी पवार (टीम इंडिया)

ऑस्ट्रेलियन ओपन : टेलर फ्रिट्ज़ को हराकर चौथे दौर में पहुंचे गेल मोनफिल्स

एजेंसी

मेलबर्न। फ्रांस के स्टार टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स 38 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले रोजर फेडरर के बाद दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नंबर 4 वरीय टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-5, 7-6 (1), 6-4 से हराया।

मोनफिल्स ने 19वें ऑस्ट्रेलियाई ओपन में छठी बार चौथे दौर में जगह बनाई। मोनफिल्स से भिड़ने से पहले फ्रिट्ज़ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में केवल आठ गेम गंवाए थे। लेकिन मोनफिल्स ने अपने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और धमाकेदार सर्विस के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को शिकस्त दी।41वें स्थान पर काबिज मोनफिल्स ने मैच जीतने के बाद कहा, रणनीति बेसलाइन को थामे रखने और निश्चित रूप से गति को बदलने की थी।

लाइन के नीचे कुछ बड़े शॉट लगाए और अपने फोरहैंड से कुछ शेप का इस्तेमाल किया, अपने बैकहैंड से कुछ स्लाइस किया और अच्छी सर्विस की। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं अभी टूर्नामेंट में आगे बढ़ूंगा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन या इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मोनफिल्स अपने लंबे करियर में कभी भी किसी मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ी करेंगे प्रतिभाग

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि 19 व 20 जनवरी को लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित मिनी स्टेडियम 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद जनपद से 30 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इस चैम्पियनशिप में देशभर से लगभग तीन हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे है।

जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में जिले के 30 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, इसमें सबजूनियर बालक वर्ग में विभु राज, विवान शर्मा, निलय चौधरी, विराज कपूर, अक्षत सूर्यांश, वंश, शाहज़ेब खान व सबजूनियर बालिका वर्ग में मिस्टी चंद्रवंशी, अदिति सैनी, देवांशी का चयन हुआ है। कैडेट बालक वर्ग में आशीष सिंह, वासु भाटिया, अक्षत कश्यप, आयुष सूर्यांश व कैडेट बालिका वर्ग में अनायदा, आदूषी का चयन हुआ है। जूनियर बालक वर्ग में लवकुश यादव, कैफ खान, मोहम्मद अयान व बालिका वर्ग में आलिया पाशा का चयन हुआ है, सीनियर बालक वर्ग में निखिल कुमार, रायन सागर, वैभव सक्सेना, रोहित कुमार व बालिका वर्ग में कशिश मालिक, यशोदा थापा का चयन हुआ है। निर्णायक मंडल में जिला मुरादाबाद से केशव थापा और अरुण कुमार को चुना गया ।टीम कोच में शाहवेज अली और संदीप कुमार रहे।

शारजाह वॉरियर्स की टीम में इरादे की कभी कमी नहीं होगी : कोच जेपी डुमिनी

एजेंस

शारजाह। श्रीलंकाई बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो की शानदार पारी की बदौलत शारजाह वॉरियर्स ने शारजाह में दुबई कैपिटल्स को हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इस सीजन में अपना पहला घरेलू मैच खेल रहे शारजाह वॉरियर्स ने 201 रनों का लक्ष्य 5 विकेट और 11 गेंद शेष रहते सफलतापूर्वक हासिल किया। मैच के बाद शारजाह वॉरियर्स के कप्तान टिम साउथी ने आईएलटी20 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, इस तरह के स्कोर का पीछा करना और फर्नांडो की पारी अविश्वसनीय थी। सुबह विमान से उतरना और ऐसा करना विशेष है। फर्नांडो हमारे लिए शानदार था। कप्तान ने आगे कहा, सुधार करने के लिए बहुत सी चीजें हैं, क्षेत्ररक्षण और गेंद के साथ, जो जीत के बाद हमेशा करना आसान होता है। यह एक अच्छा विकेट था, अगर आपने गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन किया तो यह अच्छा था लेकिन अगर आप थोड़ा चूक गए, तो यह एक अलग कहानी है। कुछ खिलाड़ी शानदार थे और जब दूसरे खिलाड़ी आकर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह टीम की गहराई को दर्शाता है। कोच जेपी डुमिनी ने कहा, फील्डिंग हमारे खेल का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम काम कर सकते हैं। हम सामूहिक रूप से फील्डिंग में बड़ा प्रयास करने की कोशिश करते हैं। इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करना चाहते हैं और फील्डिंग कुछ ऐसा है जिसमें हम निश्चित रूप से बेहतर होना चाहते हैं। अविष्का फर्नांडो, जिन्होंने 27 गेंदों में 8 छक्के और 6 चौके की मदद से 81 रन बनाए,ने कहा, अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और आज की पारी के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं।

सप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल, सिराज बाहर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या सभी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इन तीनों ने आखिरी बार 2023 विश्व कप में वनडे प्रारूप में हिस्सा लिया था। 15 सदस्यीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे जबकि शुभमन गिल उपकप्तान होंगे। हालांकि मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे। कप्तान रोहित शर्मा ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम बुमराह के बारे में निश्चित नहीं हैं, कि वह खेलेंगे या नहीं। इसलिए हम ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो आगे और पीछे दोनों जगह गेंदबाजी कर सके। शमी के बारे में सभी जानते हैं कि

वह नई गेंद से क्या करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मोहम्मद सिराज को टीम से बाहर होना पड़ा। लेकिन हमारे पास निर्धारित भूमिकाओं के लिए उपयुक्त खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अर्शदीप ने बहुत ज़्यादा वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन वह पिछले कुछ समय से सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में हैं। इसलिए हम अनुभवहीनता के बारे में चिंतित नहीं हैं। आप सभी को खुश नहीं कर सकते। दिन के अंत में, आप उस टीम को चुनते हैं जो आपको गेम जिता सकती है। बुमराह को भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दौर में पीठ में दर्द की शिकायत थी, इस अभियान में उन्होंने 151.2 ओवर फेंके और 13.06 की औसत से 32 विकेट लिए। वह मोहम्मद शमी के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। शमी 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, लेकिन तब से अपने बाएं अकिलीज़ टेंडन की सर्जरी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं।

ताइक्कांडो चैंपियनशिप:आंध्र ने जीते दो स्वर्ण, दिल्ली व हरियाणा को एक-एक स्वर्ण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अंकुश कुमार, अमन पाल व अभव्या तिवारी ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्कांडो चैंपियनशिप ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर मेजबान को शानदार शुरुआत दिलाई। मिनी इंडोर स्टेडियम, राजाजीपुरम में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऑफिशियल ग्रुप की स्पर्धाओं के पहले दिन आंध्र प्रदेश ने दो स्वर्ण , जबकि हरियाणा व दिल्ली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीते। ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। मुख्य अतिथि बृजेश पाठक ने अपने आर्शीवचन में विभिन्न टीमों से आए खिलाड़ियों को लखनऊ में स्वागत करते हुए उन्हें चैंपियनशिप में हार्दिक बधाई और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू ने बताया कि चैंपियनशिप में 24 राज्यों व इकाईयों की टीमों से 1700 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिसमें सीआरपीएफ, आईटीबीपी, कुमाऊं रेजीमेंट और सर्विसेज के खिलाड़ी भी शामिल है। आज समारोह में उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागी टीमों में शामिल खिलाड़ियों का आभार जताया।

इस अवसर पर ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव आरडी मंगेशकर, उपाध्यक्ष एल.सुकुन सिंह, डिप्टी सीईओ मनोज कुमार, राजस्थान ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव लक्ष्मण सिंह हाडा, बिहार ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव समता राही, उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पहले दिन हुई स्पर्धाओं में सब जूनियर बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के तन्विथ उदय ने स्वर्ण, मणिपुर के मालेमंगनबा नुंगलेप्पम ने रजत पदक एवं उत्तर प्रदेश के अक्षत सूर्यांश व नवदीप मिश्रा ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका व्यक्तिगत पूमसे में दिल्ली की नायशा शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश की वर्णिका कपूर को रजत एवं उत्तर प्रदेश की ही आरवी सिंह व समृद्धि आर्या ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका व्यक्तिगत पूमसे में अभव्या तिवारी ने स्वर्ण, आर्शी सिंह ने रजत, अंशिका खोखर व कौशिकी सिंह यादव (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते।

कैडेट बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के जी.करुण्या संदीप ने स्वर्ण, दिल्ली के रोहन ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के दक्ष प्रताप सिंह व अनिरूद्ध शुक्ला ने कांस्य पदक जीते। सब जूनियर बालक अंडर-25 किग्रा में अमन पाल ने स्वर्ण, अंश शर्मा ने रजत एवं अंश वर्मा व निखिल सोनी ने कांस्य (सभी उत्तर प्रदेश) पदक जीते। कैडेट बालक अंडर-148 सेमी. में उत्तर प्रदेश के अंकुश कुमार ने स्वर्ण, दिल्ली के रोहन ने रजत, उत्त्तर प्रदेश के रूद्र प्रताप व हरियाणा के पंकज ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका अंडर-156 सेमी. में हरियाणा की तनु ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश की आकांक्षा कुशवाहा ने रजत एवं उत्तर प्रदेश की पूर्णिमा मौर्या व नंदिनी ने कांस्य पदक जीते।

आरबीआई का एफडी, लॉकर और बचत खाते में नॉमिनेशन पर बैंकों को सर्कुलर जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को नॉमिनी को लेकर निर्देश जारी किए हैं। देश के बैंकों और एनबीएफसी में हजारों करोड़ रुपये की राशि पड़ी है, जिनके दावेदार नहीं हैं। आरबीआई की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार सभी बैंकों का दायित्व होगा कि वे अपने हर पुराने और नए ग्राहकों से नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी करवाएं। अभी भी बड़ी संख्या में बैंकों में जमा खाते के नॉमिनी उपलब्ध नहीं है। बैंकों में नॉमिनेशन की प्रगति की रिपोर्ट को हर तिमाही में दक्ष पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बैंकों में खाता ओपन करने के फॉर्म में बदलाव करने को कहा गया है, जिसमें ग्राहकों के लिए नॉमिनी के विकल्प को अनिवार्य करना जरूरी होगा। सर्कुलर के अनुसार जिन लोगों की एफडी या सेविंग अकाउंट में नॉमिनी नहीं रहते उनकी मौत के बाद उनके परिजन अपना हक़ प्राप्त करने के लिए कानूनी झंझट का सामना करते हैं। इसलिए सभी लोगों को अपने खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए। सर्कुलर में बैंकों और एनबीएफसी को अपने सभी ग्राहकों को नॉमिनेशन के लाभ की जानकारी देने को कहा गया है। इसके साथ ही कस्टमर सर्विस कमिटी को बैंकिंग संस्थानों में खाताधारकों के नॉमिनेशन की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति 10 साल में बढ़कर अब 22.4 घंटे हो गईः खट्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि पिछले एक दशक में शहरी क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता 22 घंटे से बढ़कर 23.4 घंटे हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.5 घंटे से बढ़कर 22.4 घंटे हो गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने विद्युत मंत्रालय के संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बैठक के बाद यह जानकारी दी। पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। ऊर्जा मंत्री ने स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्यान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर बिलिंग त्रुटियों को कम कर ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने और उपयोगकर्ताओं

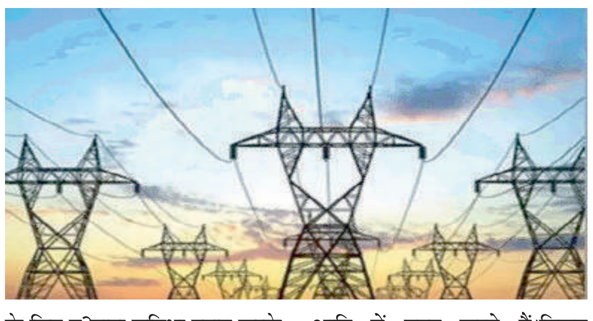

के लिए ज्?यादा सुविधा प्रदान करके उपभोक्ता और वितरण कंपनी, दोनों को लाभान्वित करते हैं। वहीं, डिस्कॉम को घाटे को कम करने, बिजली खरीद लागत के अनुकूलन और नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण आदि में मदद करते हैं।विद्युत मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में 16 जनवरी को राजधानी नई दिल्ली में पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन विषय पर चर्चा हेतु विद्युत मंत्रालय के लिए सांसदों की परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक भी उपस्थित थे। इसके अलावा विद्युत मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य, सचिव (विद्युत) पंकज अग्रवाल और विद्युत मंत्रालय के अन्य अधिकारी, सीईए के अध्यक्ष और आरईसी लिमिटेड और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीएमडी ने बैठक में भाग लिया।

कोणार्क के सूर्य मंदिर में डीएमएफ प्रदर्शनी का खान सचिव ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने ओडिशा सरकार के साथ मिलकर कोणार्क स्थित प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) प्रदर्शनी लगाई है। खान मंत्रालय की संयुक्त सचिव फरीदा एम. नाइक ने खान मंत्रालय, नाल्को और ओएमसी के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

खान मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 18 से 21 जनवरी तक चलने वाली यह प्रदर्शनी सतत विकास के माध्यम से खनन प्रभावित समुदायों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इस प्रदर्शनी का विषय है सतत विकास द्वारा समुदायों को सशक्त बनाना है, जिसमें 18 जीवंत स्टॉल शामिल हैं, जो डीएमएफ समर्थित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), नाल्को, एचजेडएल/वेदांता और ओडिशा सरकार के काम को प्रदर्शित करते हैं।

मंत्रालय के मुताबिक इन स्टॉलों पर स्थानीय शिल्प, अभिनव आजीविका परियोजनाओं और समुदाय द्वारा संचालित पहलों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई है, जो इस बात पर प्रकाश डालती है कि डीएमएफ समुदायों के जीवन को बदलने और टिकाऊ प्रथाओं के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.81 प्रतिशत लुढ़ककर 78.04 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 0.07 प्रतिशत फिसलकर 80.73 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अगले पांच साल में भारत का वाहन उद्योग दुनिया में होगा नंबर वनः गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अगले पांच साल में दुनिया में पहले स्थान पर होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा की हैं, जो देश में सबसे अधिक है। नितिन गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा, भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये का है। मुझे पूरा विश्वास है कि 5 साल के भीतर यह दुनिया में नंबर एक बन जाएगा। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार पहले नंबर पर है, जो 78 लाख करोड़ रुपये है। इसके बाद दूसरे नंबर पर चीन 47 लाख करोड़ रुपये और भारत 22 लाख करोड़ रुपये का स्थान तीसरे नंबर पर आता है। उन्होंने कहा कि जब 2014 में

परिवहन मंत्रालय का कार्यभार संभाला था, तब वाहन उद्योग का आकार 7.5 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। फाडा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वाहन उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा की हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा, यह ऑटोमोबाइल उद्योग है, जो राज्य सरकार और भारत सरकार को जीएसटी के हिस्से के रूप में अधिकतम राजस्व दे रहा है। मंत्री ने बताया कि भारत में निर्मित सभी दोपहिया मोटरसाइकिलों में से 50 प्रतिशत का निर्यात किया जाता है।

एनआईएक्सआई ने इंटरनेट गवर्नेंस इंटर्नशिप व क्षमता निर्माण योजना शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनआईएक्सआई) ने अपनी इंटरनेट गवर्नेंस इंटर्नशिप और क्षमता निर्माण योजना शुरू की। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों के बीच इंटरनेट गवर्नेंस के बारे में जागरूकता पैदा करना और विशेषज्ञता विकसित करना है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने जारी बयान में बताया है कि भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और एनआईएक्सआई के अध्यक्ष एस. कृष्णन ने योजना का शुभारंभ किया। आईटी मंत्रालय के अनुसार प्रशिक्षुओं को अनिवार्य आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता के साथ-साथ 20 हजार रुपये प्रतिमाह का निश्चित वजीफा दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को इंटरनेट कॉरपोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स (आईसीएएनएन), इंटरनेट सोसाइटी अथवा इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईएसओसी), इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई), इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स (आईईटीएफ) जैसे आई-स्टार संगठनों के साथ वैश्विक

इंटरनेट गवर्नेंस प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से शामिल होने के लिए ज्ञान से लैस करना और क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों के साथ मिलकर कार्य करना है। यह घरेलू प्रतिभाओं के एक समूह का पोषण करेगा, जो उभरते इंटरनेट गवर्नेंस मुद्दों से गहराई से जुड़ सकते हैं और उनके समाधान में योगदान दे सकते हैं।

इंटर्नशिप कार्यक्रम की पेशकश

यह कार्यक्रम दो समानांतर ट्रैक के साथ द्वि-वार्षिक इंटर्नशिप प्रदान करता हैःएक छह महीने का कार्यक्रम और एक तीन महीने का कार्यक्रम। प्रत्येक प्रशिक्षु को आईसीएएनएन एपीएनआईसी या एपीटीएलडी जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विषय वस्तु विशेषज्ञ, विशेष रुचि समूह के सदस्य, उच्च रैंक वाले सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों के संकाय सलाहकारों द्वारा सलाह दी जाएगी। प्रशिक्षुओं को अनिवार्य पहुंच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता के साथ-साथ प्रति माह 20,000/- रुपये का निश्चित वजीफा प्रदान किया जाएगा। एनआईएक्सआई की इंटरनेट गवर्नेंस इंटर्नशिप योजना के बारे में जानकारी के लिए कृपया देखेंः https://ni&i.in/scheme

एएसके ऑटोमोटिव ने लॉन्च की एआईएसआईएन एएसके प्रोडक्ट रेंज

नयी दिल्ली। दोपहिया वाहनों के लिए ब्रेक शूज़ एवं अडववान्स्ड ब्रेकिंग सिस्टम के भारत के सबसे बड़े निर्माता एएसके ऑटोमोटिव लिमिटेड भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025- द कम्पोनेन्ट शो में एआईएसआईएन एएसके प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि एआईएसआईएन एएसके इंडिया प्रा. लिमिटेड एएसके ऑटोमोटिव लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है, जिसने स्वतन्त्र आफ्टरमार्केट सेक्टर के लिए आधुनिक पैसेंजर कार प्रोडक्ट्स का अनावरण किया। इसके साथ एएसके ऑटोमोटिव ने भारत, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में स्वतन्त्र आफ्टरमार्केट क लिए चार पहिया पैसेंजर कार प्रोडक्ट्स में प्रवेश किया है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में एएसके ऑटोमोटिव लिमिटेड ने तकनीकी प्रगति, सामरिक साझेदारियों तथा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार पर अपने फोकस का प्रदर्शन करते हुए उद्योग जगत में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत बनाने की पुष्टि की है।

ओलेक्ट्रा ने प्रदर्शित की ब्लेड बैटरी बस

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक बस निर्माताओं में से एक और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अग्रणी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने अपने नविनतम उत्पादों को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया। ओलेक्ट्रा ने अपने नवीनतम उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिनमें ब्लेड बैटरी चेसिस, नयी टैकनोलजी के साथ डिजाइन किया गया 12-मीटर ब्लेड बैटरी प्लेटफार्म, तथा नई शैली की 9-मीटर सिटी और 12-मीटर कोच बसें शामिल हैं। ब्लेड बैटरी प्लेटफॉर्म के लॉन्च पर ओलेक्ट्रा के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के.वी. प्रदीप ने कहा हर महत्वाकांक्षी यात्रा की तरह, हमने भी छोटे स्तर पर शुरुआत की थी, लेकिन हमारे सपने कभी छोटे नहीं थे। सिर्फ 6 इलेक्ट्रिक बसों के शुरुआती ऑर्डर से लेकर 5,150 इलेक्ट्रिक बसों के हमारे नवीनतम मील के पत्थर तक, हमारी विकास यात्रा वाकई अद्भुत रही है। यह सफलता हमारी उस प्रतिबद्धता का परिणाम है जो हमने प्रदूषण-प्रधान परिवहन को स्वच्छ और अधिक टिकाऊ उद्योग में बदलने के लिए की है। इस यात्रा में चुनौतियां कम नहीं थीं, लेकिन ओलेक्ट्रा में, हम इन चुनौतियों का सामना नवाचार, सहयोग और दृढ़ संकल्प के साथ करते हैं। ब्लेड बैटरी का लॉन्च हमारे सुधार, नवाचार और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में नई संभावनाओं को तलाशने की शुरुआत मात्र है। हम अपने निर्माण और तकनीकी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

गोयल ने ब्रुसेल्स में मारोस सेफकोविक से की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई बातचीत

एजेंसी

ब्रुसेल्स/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ मुलाकात की। इस दौरान भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर विचार-विर्मश किया गया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्रुसेल्स यात्रा की शुरुआत यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त सेफकोविक के साथ गर्मजोशी भरी पहली मुलाकात से हुई। हमने व्यापार संबंधों और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं, सेफकोविक ने कहा कि उच्चस्तरीय व्यापार और निवेश वार्ता के लिए मंत्री पीयूष गोयल की मेजबानी करके प्रसन्नता हुई, जिसका साझा उद्देश्य यूरोपीय संघ-भारत साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाना है। हमारे संयुक्त प्रयासों को गति देने के लिए हमारी 2-दिवसीय सहभागिता की प्रतीक्षा है। दोनों पक्षों

के लिए बहुत कुछ हासिल करना है। उल्लेखनीय है कि पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स के आधिकारिक दौरे पर हैं।

भारत मोबिलिटी एक्सपो में है ई वाहनों पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े ऑटो शो भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दूसरे संस्करण में देश विदेश की सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों को जोर इलेक्ट्रिक वाहनों पर है। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया से लेकर लक्जरी कार निर्माता कंपनी पोर्श तक सबने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को यहां लॉंच किया है। मारूति सुजुकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, ई विटारा लॉन्च की है। ई विटारा लेवल 2 एडीएएस सुजुकी कनेक्ट के साथ अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यह कार 500 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने तीन नए उत्पादों का अनावरण किया है, जिसमें ई-एक्सेस, सुजुकी का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर; नया एक्सेस125, और जिक्सर एसएफ 250 फ्लेक्स फ्यूल, भारत की पहली ई85 स्पोर्ट्स बाइक शामिल है, जो इथेनॉल-आधारित गतिशीलता को बढ़ावा देती है। हीरो मोटोकॉर्प ने कई नए वाहनों का अनावरण किया, ऑल इलेक्ट्रिक को लॉंच किया जिसकी कीमत 49 लाख रुपये है। इस एसयूवी में ई ड्राइव ड्राइवट्रेन है और 531 किलोमीटर रेंज देता है।

जिसमें एक्सट्रीम 250आर के साथ 250 सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में प्रवेश करना और एक्सपल्स 210 के साथ अपने एडवेंचर लाइनअप को बढ़ाना शामिल है। स्कूटर श्रेणी में, कंपनी ने जूम 125 और जूम 160 पेश किए। इसके अतिरिक्त, हीरो ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिल, इथेनॉल-आधारित हीरो एचएफ डीलक्स का प्रदर्शन किया और वीडा वी2 ई-स्कूटर पेश किया।बीएमडब्ल्यू इंडिया ने बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस ग्लोबल एक्सपो में मर्सिडीज-बेंज ने अपनी बेहतरीन लग्जरी बीईवी ईक्यूएस मेबैक एसयूवी 680 'नाइट सीरीज़' को 2.63 करोड़ रुपये की कीमत पर लॉन्च किया, जबकि मेबैक जीएलएस 600 को 3.71 करोड़ रुपये में लॉन्च किया गया। हुंडई मोटर इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में बहुप्रतीक्षित हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक को 17.99 लाख की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया। एक्सपो में एमजी मोटर्स ने एमजी साइबरस्टर और एमजी एम 9 के साथ अपने एनईवी पोर्टफोलियो का विस्तार किया। नए लॉन्च किए गए लग्जरी ब्रांड चैनल एमजी सेलेक्ट के तहत पेश किए गए ये मॉडल कंपनी के इंटेलिजेंट, सस्टेनेबल और ग्राहक-केंद्रित मोबिलिटी के विजन को दर्शाते हैं। टाटा मोटर्स ने एक्सपो 2025 में ऑल-न्यू टाटा सिएरा लॉन्च की है। इस वाहन के आधुनिक संस्करण में डिज़ाइन और अत्याधुनिक तकनीक का संयोजन किया गया है, जो स्टाइल, कार्यक्षमता और स्थिरता का बेहतरीन संतुलन दर्शाता है। इसके साथ ही कंपनी हैरियर डॉट ईवी का भी प्रदर्शन किया है। कंपनी ने एक कॉन्सेप्ट कार अविन्या भी प्रदर्शन किया है। वीई कमर्शियल व्हीकल्स ने 2 से 3.5 टन स्मॉल कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में अपनी एंट्री के साथ आयशर प्रो एक्स रेंज का अनावरण किया। लॉजिस्टिक्स कंपनियों को ध्यान में रखकर बनाई गई यह इलेक्ट्रिक-फर्स्ट रेंज मिड और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स के लिए है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही बिटकॉइन में जोरदार तेजी, एक बार फिर 1 लाख डॉलर के पार पहुंची क्रिप्टो करेंसी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर जोरदार तेजी दिखाते हुए 1 लाख डॉलर के स्तर को पार कर लिया। शुक्रवार देर रात बिटकॉइन 1,05,782.40 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि उसके बाद इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में गिरावट आई। आज भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11.30 बजे बिटकॉइन 1,03,403.60 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के कारण क्रिप्टोकरंसी मार्केट में लगातार उत्साह का माहौल बना हुआ है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को दुनिया का क्रिप्टो कैपिटल बनाने का ऐलान किया था। ट्रंप के वायदे में क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए फेवरेबल

रेगुलेशंस लाने की बात भी कही गई थी। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो मार्केट के लिए रेगुलेटर नियुक्त करने का भी वादा किया था। अपने वायदे में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति के रूप में वे इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिकी सरकार सोने की तरह ही बिटकॉइन का भी स्ट्रैटेजिक रिजर्व बनाए। इसके साथ ही राष्ट्रपति पद संभालने के बाद पहले 100 दिन के अंदर ही क्रिप्टो करेंसी के संबंध में स्पष्ट और सरल नियम बनाने के लिए एक विशेष सलाहकार परिषद बनाने का भी ट्रंप ने ऐलान किया था। चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्रिप्टोकरंसी के प्रति पॉजिटिव रूप दिखाने के कारण ही चुनाव में ट्रंप की जीत का ऐलान होने के साथ ही क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी आ गई थी। खासकर, बिटकॉइन ने जबरदस्त तेजी दिखाई थी। ट्रंप के चुनाव जीतने के 1 महीने बाद 5 दिसंबर को बिटकॉइन पहली बार एक लाख डॉलर के स्तर को पार करके 1,03,242.70 डॉलर के स्तर पर पहुंचा था। इसी महीने 17 दिसंबर को बिटकॉइन ने अपने सर्वोच्च स्तर 1,06,490.10 डॉलर के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की थी। हालांकि इसके बाद बिटकॉइन की कीमत में गिरावट आई, जिसकी वजह से ये क्रिप्टोकरंसी 90 हजार डॉलर के स्तर तक गिर गई। लेकिन अब ट्रंप की शपथ लेने का समय पास आते ही एक बार फिर इस क्रिप्टोकरंसी में तेजी आ गई है और ये 1 लाख डॉलर के स्तर को पार करके कारोबार करने लगी है।

सरकार बजट सत्र में पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है। इसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी करना है। वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में इसकी घोषणा की थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। फिलहाल, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है, जिसे बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की संभावना है। आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के लिए जुलाई बजट में वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसरण में सीबीडीटी ने समीक्षा और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में

आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को ज्यादा कर निश्चितता मिलेगी। संसद का अगामी बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। इसके बाद वित?त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया जाएगा। संसद का बजट सत्र 10 मार्च को पुनः आरंभ होगा, जो 4 अप्रैल तक चलेगा।

गरवारे हाई-टेक फिल्म्स ने पेश किए नए उत्पाद

मुंबई/नई दिल्ली। पेंट प्रोटेक्शन और सन कंट्रोल फिल्म्स में अग्रणी, गरवारे हाई-टेक फिल्म्स (जीएचएफएल) ने भारत में ऑटोमोटिव सुरक्षा को नया रूप देने के उद्देश्य से भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में गतिशील पहल शुरू की है। कंपनी ने दो उन्नत उत्पाद- रंगीन पेंट प्रोटेक्शन फिल्म (पीपीएफ) और हेड एंड टेललाइट ग्लास प्रोटेक्शन फिल्म प्रस्तुत किए हैं, साथ ही बेजोड़ पहुंच और मालिकी में आसानी के लिए रणनीतिक गठबंधन भी किए हैं। जीएचएफएल की रंगीन पेंट प्रोटेक्शन फिल्म में जीवंत शैली और स्थायी कार्यक्षमता का एक प्रीमियम कॉम्बिनेशन है। वाहन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई, यह फिल्म विज्युअल अपील से समझौता किए बिना खरोंच, दाग और यूवी से होने वाले नुकसान के खिलाफ मजबूत सुरक्षा प्रदान करती है। उन्नत सामग्रियों के साथ हेड एंड टेललाइट ग्लास प्रोटेक्शन फिल्म, हेडलाइट्स और टेललाइट्स को खरोंच, दरार और घिसाव से बचाते हुए ऑप्टीमल लाइटिंग परफॉरमेंस सुनिश्चित करती है। दोनों उत्पाद अब भारत भर में 170 से अधिक गरवारे एप्लीकेशन स्टूडियो (जीएएस) में उपलब्ध हैं, जो प्रीमियम ऑटोमोटिव देखभाल के लिए जीएचएफएल की प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी, 81 हजार के पार पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार में सोना 610 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 81 हजार रुपये के स्तर को पार करके 81,430 रुपये से लेकर 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये से लेकर 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आई तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,560

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 81,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 74,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लेबनान से बांग्लादेश के 47 और नागरिक स्वदेश लौटे

एजेंसी

ढाका। युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे बांग्लादेश के 47 और नागरिक आज स्वदेश लौट आए। अंतरिम सरकार ने इनकी यात्रा का पूरा खर्च वहन किया। यह लोग कतर एयरवेज की उड़ान (क्यूआर 640) से सुबह 9:15 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 19 उड़ानों के माध्यम से लेबनान से कुल 1,246 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लाया गया है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, विदेश मंत्रालय, प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने सभी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, वापस लौटे लोगों ने कहा कि लेबनान में संघर्ष के दौरान बमबारी की घटना में कथित तौर पर उनके एक साथी की जान चली गई।

भारी हिमपात के कारण काबुल को नौ प्रांतों से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग अवरुद्ध

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल को नौ उत्तरी प्रांतों से जोड़ने वाला सालंग राजमार्ग भारी हिमपात के कारण यातायात के लिए

अवरुद्ध हो गया है। लोक निर्माण मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि भारी हिमपात और तूफान के कारण राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। वाहन चालकों से अगली सूचना तक इस मार्ग पर वाहन न चलाने की अपील की गयी है। परिवहन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से 29 में अगले कुछ दिनों में भारी हिमपात, बाढ़ और भारी बारिश होगी।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कोर्ट के समक्ष दी रिहाई की दलील

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी एवं राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों ने इस बारे में विरोधी तर्क प्रस्तुत किए कि क्या उन्हें हिरासत में रखा जाना चाहिए। वकीलों ने उनकी विशिष्ट टिप्पणियां साझा नहीं कीं। इससे पहले, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति यून, जो बुधवार को अपने आवास पर बड़े पैमाने पर कानून प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से हिरासत में हैं, 03 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात से सहयोग मांगा

दमिश्क। सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से सहयोग मांगा है। उन्होंने राष्ट्रपति नाहयान को फोन किया। दिसंबर में बशर अल-असद शासन के पतन के बाद मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को फोन करने वाले अहमद अल-शरा पहले नेता हैं। वह विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले प्रशासन के कमांडर-इन-चीफ हैं। अरबी न्यूज एजेंसी '963+' के अनुसार, अल-शरा और अल नाहयान ने सीरिया और यूएई के बीच संबंधों को इस तरह से मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की जो दोनों देशों के सामान्य हितों को पूरा करे। साथ ही यूएई सीरिया में स्थिरता प्राप्त करने और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में नए सीरियाई प्रशासन के कदमों का समर्थन करे। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, अल-शरा और अल नाहयान ने सीरियाई-अमीराती समन्वय के महत्व और सीरियाई लोगों को युद्ध के कारण बनी मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने में समर्थन देने के प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप कड़ाके की ठंड के बीच लेंगे शपथ, उद्घाटन समारोह खुले में नहीं रोटुंडा में होगा

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके चीन की चार दिवसीय सरकारी यात्रा पूरी कर स्वदेश लौट आए। श्रीलंका के अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति की यात्रा बेहद सफल रही। इस दौरान दोनों देशों के बीच 15 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। चीन और वहां की कंपनियों से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का भरोसा राष्ट्रपति दिसानायको को दिया गया है। डेली मिरर के अनुसार, चीन सरकार और वहां के उद्योगपतियों ने श्रीलंका में लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। सिनोपेक ने हंबनटोटा में 200,000 बैरल की क्षमता वाली अत्याधुनिक तेल रिफाइनरी में 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। इससे श्रीलंका के लिए विदेशी भंडार को बढ़ावा मिलेगा। इसके उत्पादन को निर्यात के

लिए नियोजित किया गया है। परिणामस्वरूप इससे विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि होगी।

इसके अलावा आर्थिक और तकनीकी सहयोग, निवेश और आर्थिक सहयोग कार्यसमूह की स्थापना, चीन में कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच, मीडिया और पर्यटन प्रचार पर सहयोग पर चीनी सरकार से 500 मिलियन आरएमबी (20 अरब रुपये) का अनुदान प्राप्त होगा। दोनों देश कोलंबो पोर्ट सिटी और हंबनटोटा पोर्ट एकीकृत विकास सहित सभी प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा के दौरान श्रीलंका को चीनी कंपनियों से लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करने का मौका मिला है। चीन के राष्ट्रपति शी ने आर्थिक और व्यापार वृद्धि, निवेश, पर्यटन, डिजिटल परिवर्तन और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग करने का भरोसा दिया है।

दिसानायके ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी के साथ भी बातचीत की और आगे के सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। राष्ट्रपति डिसानायके ने श्रीलंका में निवेश गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित किया। इसमें चीन के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) और कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग के अनुसार, चीनी एसओई ने श्रीलंका में नए निवेश और मौजूदा निवेश परियोजनाओं के विस्तार करने में अपनी रुचि व्यक्त की।

ईरान में सुप्रीम कोर्ट परिसर में हमलावर ने दो न्यायाधीश को मारी गोली

एजेंसी

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में एक हमलावर ने सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार कर जान दे दी। न्यायपालिका और सरकारी मीडिया के अनुसार ईरान की सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों की मध्य तेहरान में न्यायाधिकरण भवन के बाहर गोलीबारी में मौत हो गई है। न्यायपालिका के मीडिया केंद्र द्वारा जारी एक बयान के अनुसार तड़के सुप्रीम कोर्ट के बाहर हथियारों से लैस एक व्यक्ति ने दो वरिष्ठ न्यायाधीशों होज्जत अल-इस्लाम रजिनी और होज्जत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन मोकिसेह की गोली मार कर हत्या कर दी। बयान में कहा गया है कि ÷वे (दोनों न्यायाधीश) राष्ट्रीय सुरक्षा, जासूसी और आतंकवाद के खिलाफ अपराधों की सुनवाई करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। मारे गए दोनों न्यायाधीशों साहसी और अनुभवी थे। हमलावर की पहचान और उसका मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बयान में कहा गया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अपराधी का सुप्रीम कोर्ट में पहले कोई मामला नहीं था और न ही वह वहां आने वालों में से

था। सरकारी अखबार तेहरान टाइम्स के अनुसार आज हुए हमले में एक अंगरक्षक भी घायल हो गया। ईरानी मीडिया ने कहा कि हमले में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच चल रही है। न्यायाधीश रजिनी पर 1998 में भी हत्या के प्रयास किया गया था, जब वह तेहरान की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

ट्रम्प से फीफा प्रमुख इन्फैनटिनो ने मुलाकात की

एजेंसी

फ्लोरिडा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने आगामी टूर्नामेंटों पर चर्चा करने के लिए फ्लोरिडा में मुलाकात की है। उन्होंने यह जानकारी दी। श्री इन्फैनटिनो के अनुसार उन्होंने और श्री ट्रम्प ने क्लब विश्व कप पर चर्चा की। विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 2026 में आयोजित किए जाने वाले विश्व कप पर भी चर्चा की।

उन्होंने इंस्टाग्राम (मेटा के स्वामित्व में, रूस में प्रतिबंधित) पर श्री ट्रम्प के साथ तस्वीरें संलग्न करते हुए कहा ÷मैं उनके आगामी शपथ ग्रहण समारोह से पहले फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। हमने इस ग्रीष्मकालीन फीफा क्लब विश्व कप और 2026 में फीफा

विश्व कप पर चर्चा की - दो वास्तव में वैश्विक टूर्नामेंट जो अमेरिका खेले जायेंगे मेजबानी में एक महत्वपूर्ण भूमिका। आपके समय के लिए और आने वाले महीनों में फीफा का समर्थन करने के लिए धन्यवाद। अमेरिका विश्व का स्वागत करता है और फुटबॉल विश्व को एकजुट करता है।'

फीफा प्रमुख ने कहा कि श्री ट्रम्प फीफा और अगले 18 महीनों में अमेरिका में आयोजित होने वाले दो प्रमुख टूर्नामेंटों के प्रबल समर्थक रहे हैं। श्री ट्रम्प 20 जनवरी को वाशिंगटन में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

इजरायल के पास गाजा में युद्ध में लौटने का अधिकार बरकरार-नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि 'अगर हमें युद्ध में लौटना पड़ा तो हम नए तरीकों और बड़ी ताकत से ऐसा करेंगे।' उन्होंने कहा कि इजरायल के पास गाजा युद्ध में लौटने का अधिकार बरकरार है।

श्री नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते पर एक वीडियो बयान में कहा कि निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दोनों ने इजरायल के अधिकार को पूरा समर्थन दिया है। यदि समझौते के दूसरे चरण की बातचीत 'निरर्थक' हो तो लड़ाई पर लौटें। संघर्ष विराम समझौता रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे प्रभावी होगा।उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को उनके साथ बातचीत में श्री ट्रम्प ने इस बात पर जोर दिया कि समझौते का पहला चरण अस्थायी युद्धविराम है। उन्होंने कहा कि इज़रायल मिस्र-

गाजा सीमाओं पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर बनाए रखेगा 'न केवल हम वहां बलों को कम नहीं करेंगे, बल्कि हम उन्हें थोड़ा बढ़ा भी देंगे।' उन्होंने कहा कि इजरायली सेना गाजा पट्टी के अंदर तैनात की जाएगी और इसे सभी तरफ से बंद कर देगी। उन्होंने कहा,'हम हथियारों की तस्करी नहीं होने देंगे और न ही अपने बंधकों को बाहर ले जाने देंगे।' श्री नेतन्याहू ने कहा कि समझौते के पहले चरण में रविवार से रिहा होने वाले 33 इजरायली बंधकों में से अधिकांश जीवित हैं।

अफगानिस्तान ने नौ महीनों में 290 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का केसर निर्यात किया

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान ने पिछले नौ महीनों में 290 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का केसर निर्यात किया है, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवाद ने यह जानकारी दी।

निजी मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज ने जवाद के हवाले से कहा, 1403 सौर वर्ष (फारसी कैलेंडर में वर्ष 1403 गत 20 मार्च से शुरू हुआ) के नौ महीनों के दौरान लगभग 42,200 किलोग्राम केसर का निर्यात किया गया। जवाद ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थानीय रूप से 'लाल सोना' के रूप में जाना जाने वाला यह मूल्यवान मसाला ज्यादातर भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, स्पेन, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन को निर्यात किया गया है। अफ़गानिस्तान के मुख्य निर्यात वस्तुओं में कोयला,

केसर, ताजे और सूखे मेवे, हाथ से बुने हुए कालीन और कीमती पत्थर शामिल हैं।केसर की खेती आमतौर पर पश्चिमी हेरात प्रांत में की जाती है।

नेपाल के नागरिकों से चीनी कंपनी के थाईलैंड, कंबोडिया, लाओस व म्यांमार में आकर्षक नौकरी के झांसे में न पड़ने की अपील

एजेंसी

काठमांडू। थाईलैंड स्थित नेपाली दूतावास ने सभी नेपाली नागरिकों के लिए एक सूचना जारी करते हुए किसी भी चीनी कंपनी के द्वारा आकर्षक नौकरी के झांसा में नहीं पड़ने की अपील की है। नेपाली नागरिकों के इन देशों में नौकरी के लिए लाखों रुपए कमीशन देकर आने और गैरकानूनी काम में फंसाने की घटना के बाद नेपाल दूतावास ने अपील जारी की है।

नेपाली दूतावास ने बयान जारी कर बताया कि चीनी कंपनी के झांसे में पड़कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार जैसे देशों में 17 नेपाली नागरिकों के फंसे होने की सूचना के कई महीने बाद शुक्रवार को सिर्फ एक नेपाली नागरिक को वहां से बचाया जा सका है। दूतावास के बयान में कहा गया है

कि बैंकाक पुलिस की मदद से बचाए गए नेपाली नागरिक म्यांमार की सीमा से लाया गया है। इस व्यक्ति के मुताबिक उसके जैसे 16 अन्य नेपाली नागरिक जो एक चीनी मैनपावर एजेंट के नौकरी के ऑफर में यहां आए थे, उन सभी के पासपोर्ट, पैसे, एटीएम कार्ड और मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए और इन सभी को लाओस, म्यांमार और कंबोडिया के दूरदराज इलाके में रख कर इनसे गैर कानूनी काम करवाया जा रहा है। इसे देखते हुए बैंकॉक में नेपाली दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से आकर्षक नौकरी के झांसे में पड़ कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और थाईलैंड सहित देशों की यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है। दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से कानूनी दिशा-निर्देशों का पालन करने और केवल वैध श्रम परमिट के साथ विदेशी रोजगार की तलाश करने का अनुरोध किया। नेपाल में कानूनी रूप से कड़ाई के बाद सोशल मीडिया के जरिए थाईलैंड, कंबोडिया, म्यांमार और लाओस में रहे चीनी मैनपावर कंपनी इस तरह के विज्ञापन धड़ल्ले से दे रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई आठ

एजेंसी

पेशावर। कुर्रम जिले की राजधानी पाराचिनार जा रहे सहायता काफिले पर हुए घातक हमले में लापता ड्राइवरों के चार और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत का कुर्रम जिला सांप्रदायिक हिंसा के बाद महीनों से देश के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है। अब तक 150 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

इलाके में खाद्य आपूर्ति और दवाओं की कमी के कारण दर्जनों महिलाओं और बच्चों की मौत होने की वजह से हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हाल ही में विरोधी ग्रुप्स के बीच एक 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तबाह क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी थी। हालांकि, राहत सहायता ले जा रहे काफिले पर गुरुवार को बड़ा हमला

हुआ। कुर्रम के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ने कहा, हमला कम से कम पांच घंटे तक चला। पांच ड्राइवर लापता हो गए, जिनमें से चार के शव बरामद कर लिए गए। अब तक कुल मृतकों की संख्या आठ है, इनमें चार ड्राइवर और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। दूसरी ओर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो सुरक्षाकर्मी, चार ड्राइवर और चार नागरिक शामिल हैं। उनका कहना है कि छह ड्राइवर अब भी लापता हैं। हमलावरों ने उन्हें रॉकेट और ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करके अगवा कर लिया था। सुरक्षा बलों ने बताया कि जवाबी फायरिंग में छह हमलावर भी मारे गए। बतादें कि 35 वाहनों का यह काफिला, पाराचिनार में पहुंचाई जाने वाली सहायता सामग्री का दूसरा जत्था था। इसमें दवाइयां, सब्जियां, फल और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी। इसे पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) सहित सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी। इस ताजा हमले ने शांति समझौते को फिर से झकझोर दिया। इससे जिले में भय और अनिश्चितता का माहौल है।

इजराइली वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका

एजेंसी

येरूशलम। इजराइल के वायु रक्षा बलों ने यमन की ओर लॉन्च की गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका है। मिसाइल को ब्लास्ट करने के कारण गिरे उसके टुकड़ों को लेकर मध्य इजराइल और येरूशलम में सायरन भी बजा। यह जानकारी इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार शाम को दी।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कहा है कि उन्हें यमन से लॉन्च की गई इंटरसेप्टेड मिसाइल के मलबे और छर्रे की रिपोर्ट मिली है, जो येरूशलम में गिरी है। पुलिस के अनुसार, कुछ टुकड़े मोशाव बार जियोरा के पास एक खुले क्षेत्र में गिरे, जबकि अन्य टुकड़े मेवो बीटर के बगल में एक गैस स्टेशन के पास गिरे। साथ ही मिसाइल का एक बड़ा हिस्सा बीटर लिलिट के

पास एक खेत में गिरा। पुलिस ने लोगों से टुकड़ों को न छूने को कहा है। पुलिस फिलहाल मलबे की जांच कर रही है। इस बीच, आईडीएफ ने घोषणा की है कि वह हमास के साथ युद्धविराम और बंधक समझौते की तैयारी कर रहा है, जिसे सरकार ने रातोंरात मंजूरी दे दी है। यह प्रक्रिया रविवार को शुरू होने वाली है। इजराइली सेना ने कहा है कि हमास की कैद से रिहा होने के बाद बंधकों को प्राप्त करने की तैयारी की जा रही है।

महाभियोग के शिकार दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने अदालत के समक्ष रिहाई के लिए दलील दी

सियोल। महाभियोग झेल रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों ने इस बारे में विरोधी तर्क प्रस्तुत किए कि क्या उन्हें हिरासत में रखा जाना चाहिए। वकीलों ने उनकी विशिष्ट टिप्पणियाँ साझा नहीं कीं। इससे पहले, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह (लिखित आवेदन) किया है। बतादें कि राष्ट्रपति यून, जो बुधवार को अपने आवास पर बड़े पैमाने पर कानून प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से हिरासत में हैं, 03 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

भारत से तस्करी कर लाया गया 462 किलो लाल चंदन काठमांडू से बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में करीब एक दशक से बंद रहे लालचंदन (रक्तचंदन) की तस्करी एक बार फिर से शुरू होती दिख रही है। दक्षिण भारत से तस्करी कर लाया गया करीब 462 किलो का रक्तचंदन सहित काठमांडू में दो तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। तीन दिन पहले यानि 15 जनवरी को काठमांडू के पेप्सीकोला क्षेत्र में रहे एक व्यक्ति के घर से नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग ने छापामारी कर बड़े पैमाने पर रक्तचंदन बरामद किया है। बरामद किए गए रक्तचंदन और गिरफ्तार किए गए आरोपियों को सार्वजनिक किया गया है। काठमांडू के क्राइम ब्रांच के एसपी काजी कुमार आचार्य ने बताया कि उनकी टीम को किसी बड़ी तस्करी की सूचना मिली थी। आचार्य के मुताबिक उनके पास तस्करी का बड़ा सामान होने की सूचना थी। उन्हें बिल्कुल भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि तस्करी का यह सामान रक्तचंदन हो सकता है। एसपी आचार्य ने बताया कि इस रक्तचंदन को अपने घर में छिपा कर रखने वाले

ज्ञानचंद तिमिल्सिना और रक्तचंदन को भारत के बैंगलौर से काठमांडू तक लाने वाले रमेश थापा को गिरफ्तार किया है। थापा माओवादी के स्थानीय नेता हैं और पहले माओवादी के जनमुक्ति सेना का हिस्सा रहचुके हैं। क्राइम ब्रांच के एसपी ने इन दोनों आरोपियों के बयान के आधार पर बताया कि रमेश थापा पिछले कई महीनों से बंगलौर में था जहां उसकी मुलाकात रक्तचंदन के कारोबारियों से हुई। पहले भी रक्तचंदन की तस्करी में हाथ आजमा चुका रमेश थापा ने चीनी व्यापारी से मोटे पैसे वसूलकर उसे रक्तचंदन की यह लकड़ियां सप्लाई करने वाला था। एसपी आचार्य ने बताया कि आरोपी थापा ने इसके लिए चीनी व्यापारी से पैसे भी ले चुका था और जल्द ही उसे सप्लाई करने वाला था। पूछताछ में यह भी पता लगा है कि रक्तचंदन का यह खेप बैंगलौर से बिहार के रक्सौल तक ट्रेन से लाया गया और बाद में नेपाल के बीरगंज होते हुए तीन हफ्ते पहले ही काठमांडू लाया गया था। नेपाल में एक दशक पहले एक दौर था जब आए दिन सैकड़ों क्विंटल रक्तचंदन की खेप पकड़ी जाती थी जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी की जाती थी। इसमें सबसे अधिक माओवादी के नेता शामिल थे जो भारत से रक्तचंदन की खेप ट्रक में भरकर लाते और चीन की सीमा तक पहुंचा देते थे।

अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल -पपीता

पपीता पोषक तत्वों से भरपूर अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल है पपीते का पके तथा कच्चे रूप में प्रयोग किया जाता है इसका आर्थिक महत्व ताजे फलों के अतिरिक्त पपेन के कारण भी है, जिसका प्रयोग बहुत से औद्योगिक कामों में होता है इसलिए पपीते की खेती की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह हमारे देश का पांचवा लोकप्रिय फल है देश के अधिकांश भागों में घर की बगिया से लेकर बागों तक पपीते की बागवानी का क्षेत्र निरन्तर बढ़ता जा रहा हैं

देश के विभिन्न राज्यों आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू, बिहार, आसाम, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर तथा मिजोरम में इसकी खेती की जा रही है अत: इसके सफल उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति या तकनीकों का उपयोग करके कृषक इसकी फसल से अच्छी उपज प्राप्त कर सकते हैं इस लेख में कृषकों के लिए पपीते की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की जानकारी का विस्तृत उल्लेख किया गया है

पपीते की खेती की सबसे अच्छी उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रो में होती है लेकिन समशीतोष्ण क्षेत्रो में भी अच्छी पैदावार देता है शुष्क गर्म जलवायु में इसके फल अधिक मीठे होते है परन्तु अधिक नमी इसके फलो के गुणों को ख़राब कर देती है, और पैदावार भी प्रभावित होती है इसके उत्पादन के लिए तापक्रम 22 से 26 डिग्री सैंटीग्रेट के बिच और 10 डिग्री सेंटीग्रेट से कम नहीं होना चाहिए, क्योंकि अधिक ठण्ड तथा पाला इसके लिए शत्रु के समान है

पपीता किसी भी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है, लेकिन इसकी सबसे अच्छी उपज जीवांश युक्त हलकी दोमट या दोमट मृदा जिसमे जल निकास कि व्यवस्था अच्छी हो, इसलिए इसके लिए दोमट हवादार काली उपजाऊ भूमि का चयन करना चाहिए और जिसका पीएच मान 6.5 से .5 के बिच होना चाहिए और पानी बिलकुल नहीं रुकना चाहिए, पपीते की खेती के लिए मध्य काली और जलोढ़ भूमि भी अच्छी होती है

पपीता में नियंत्रित परागण के अभाव और बीजय प्रर्वधन के कारण किस्में अस्थाई हैं तथा एक ही किस्म में विभिन्नता पाई जाती हैं अत: फूल आने से पहले नर और मादा पौधों का अनुमान लगाना कठिन है इनकी कुछ प्रचलित किस्में जो देश के विभिन्न भागों में उगाई जाती हैं और अधिक संख्या में मादा फूलों के पौधे मिलते हैं जिनमें मुख्य हैं, जैसे-

हनीड्यु या मधु बिन्दु, कुर्ग हनीड्यू, वांशिगटन, कोय- 1, कोय- 2, कोय- 3, फल उत्पादन तथा पपेन उत्पादन के लिए कोय- 5, कोय- 6, कोय- , एम एफ- 1 और पूसा मेजस्टी मुख्य हैं पपेन का अन्तराष्ट्रीय व्यापार में महत्व है इनमें पपेन अन्य किस्मों से अधिक निकलते हैं

उत्तरी भारत में तापक्रम का उतार-चढ़ाव काफी अधिक होता है इसलिए उभयलिंगी फूल वाली किस्में ठीक उत्पादन नहीं दे पाती हैं, जब कि कुर्ग हनीड्यू, दक्षिण भारत में अधिक पैदावार के लिए सफल सिद्ध हुई है

कोय- 1, पंजाब स्वीट, पूसा डेलिसियस, पूसा मेजस्टी, पूसा जाइन्ट, पूसा डुवार्फ, पूसा नन्हा, म्यूटेन्ट आदि किस्में, जिनमें मादा फूलों की संख्या अधिक होती हैं और उभयलिंगी हैं, उत्तरी भारत में काफी सफल हैं

हवाई की 'सोलो किस्म जो उभयलिंगी और मादा पौधे होते हैं, उत्तरी भारत में इसके फल छोटे और निम्न कोटि के होते हैं

पपीता के उत्पादन के लिए पौधशाला में पौधों को उगाना बहुत महत्व रखता है इसके लिए बीज की मात्रा एक हैक्टेयर में पपीता के लिए 500 ग्राम काफी होती है बीज पूर्ण पका हुआ, अच्छी तरह सूखा शीशे की बोतल या जार में रखा हो, जिसका मुंह ढका हो और 6 महीने से अधिक पुराना न हो, उपयुक्त है बोने से पहले बीज को केप्टान से उपचारित कर लेना चाहिए इसके लिए 3 ग्राम केप्टान एक किलोग्राम बीज को उपचारित करने के लिए काफी है

बीज बोने के लिए क्यारी जो जमीन से उंची उटी हुई संकरी होनी चहिए, इसके अलावा बड़े गमले या लकड़ी के बक्सों का भी प्रयोग कर सकते हैं इन्हे तैयार करने के लिए पत्ती की खाद, बालु तथा सड़ी हुई गोबर की खाद बराबर भागों में मिलाकर मिश्रण तैयार कर लेते हैं जिस स्थान पर नर्सरी होती हैं, जमीन की अच्छी गुड़ाई-जुताई करके समस्त कंकड़ पत्थर तथा खरपतवार निकाल कर साफ कर देना चाहिए और जमीन को 2 प्रतिशत फोरमिलीन से उपचारित कर लेना चाहिए

वह स्थान जहां पर तेज धूप तथा अधिक छाया न आये चुनना चाहिए एक एकड़ के लिए 4056 मीटर जमीन में उगाये गये पौधे काफी होते हैं इसमें 2.5 X 10 X 0.5 आकार की क्यारी बनाकर उपर्युक्त मिश्रण अच्छी तरह मिला दें

और क्यारी को उपर से समतल कर दें इसके बाद मिश्रण की तह लगाकर 1/2 X 2 इंच गहराई पर 3 X 6 इंच के फासले पर पंक्ति बनाकर उपचारित बीज बो दें और फिर 1/2 X 2 इंच गोबर की खाद के मिश्रण से ढककर लकड़ी, से दबा दे ताकि बीज उपर न रह जाये

यदि गमलों या बक्सों का उगाने के लिए प्रयोग करें, तो इनमें भी इसी मिश्रण का प्रयोग करें बोई गई क्यारियों का सूखी घास या पुआल से ढक दें तथा सुबह व शाम हज्जारे द्वारा पानी देना आवश्यक है बोने के लगभग 15 से 20 दिन के भीतर बीज का जमाव हो जाता हैं जब इन पौधों में 4 से 5 पत्तियां निकल आयें तो छोटे गमले 6' आकार में मिश्रण भर कर लगा दें

जब पौधे खेत में प्रतिरोपण करने के लिए तैयार हो जाते हैं, तो प्रतिरोपण करने से पहले गमलों को धूप में एक दिन रखना चाहिए और खेत में सदैव पौधे संध्या के समय लगाकर उचित पानी देना चाहिए किसी भी हालत में पानी अधिक न हो जायें नहीं तो पौधों को तुरन्त सड़न और उकठा का रोग लग जायेगा उत्तरी भारत में नर्सरी में बीज मार्च, अप्रेल, जून और अगस्त में उगाने चाहिए

प्लास्टिक थैलियों में बीज उगाना- इसके लिए 200 गेज और 20 X 15 सेंटीमीटर आकार की थैलियों की जरूरत होती है, जिनकों किसी कील से नीचे और साइड में छेद कर देते हैं तथा 1:1:1:1 पत्ती की खाद, रेत, गोबर और मिट्टी का मिश्रण बनाकर थैलियों में भर देते हैं प्रत्येक थैली में दो या तीन बीज बो देते हैं प्रतिरोपण करते समय थैली का नीचे का भाग फाड़ देना चाहिए

पौध लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह तैयारी करके खेत को समतल कर लेना चाहिए, ताकि पानी न भर सकें फिर पपीता की सघन व्यावसायिक बागवानी के लिए 50 X 50 X 50 सेंटीमीटर आकार के गड्ढ़े 1.5 X 1.5 मीटर के फासले पर खोद लेने चाहिए ओर प्रत्येक गड्ढे में 30 ग्राम बी एच सी 10 प्रतिशत डस्ट मिलाकर उपचारित कर लेना चाहिए उंची बढ़ने वाली किस्मों के लिये 1.8 X 1.8 मीटर फासला रखते हैं जब पौधे 20 से 25 सेंटीमीटर हो जायें तो पहले से तैयार किये पौधों को 2 से 3 की संख्या में प्रत्येक गड्ढ़े में 10 सेंटीमीटर के फासले पर लगा देते हैं

पौधे लगाते समय इस बात का ध्यान रखते हैं, कि गड्ढ़े का ढाल पौधे की तरफ हो, पौधे लगाने के बाद सिंचाई कर देनी चाहिए पपीता लगाने का उचित समय अप्रैल, अगस्त और सितम्बर है फूल आने के बाद केवल दस प्रतिशत नर पौधों को छोड़ कर सभी नर पौधों को निकाल देना चाहिए और उनकी जगह नये पौधे लगा दें बरसात के दिनों में पेड़ों के पास मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, जिससे पानी तने से न लगे

पपीता जल्दी फल देना शुरू कर देता है, इसलिए इसे अधिक उपजाऊ भूमि की जरूरत है अत: अच्छी फसल के लिए 200 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फास्फोरस और 500 ग्राम पोटाश प्रति पौधा की आवश्यकता होती है इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष पौधा 15 से 25 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद, 1 किलोग्राम हड्डी का चूरा तथा 1 किलोग्राम नीम की खली की जरूरत पड़ती है

खाद की यह मात्रा तीन बराबर मात्रा में मार्च से अप्रेल, जुलाई से अगस्त और अक्टूबर महीनों में देनी चाहिए दिसम्बर से जनवरी माह में उर्वरक नहीं डालना चाहिए, क्योंकि तापमान उत्तर भारत में इस समय काफी कम होता है और जाड़े में पौधों की वृद्धि रुक जाती है पपीता लगाने के 4 माह बाद से उर्वरक डालने की आवश्यकता होती है

पपीते के पौधे पानी के जमाव के प्रति संवेदनशील होते हैं अत: इन्हें ऐसी भूमि में लगाना चाहिए जहाँ पानी के निकास का उत्तम प्रबंध हो खास तौर पर जहाँ अधिक वर्षा होती है और भारी मिट्टी है, वहाँ का विशेष ध्यान रखना चाहिए पपीते के पौधों में समय-समय पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है पानी की कमी होने पर उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है यदि ठीक समय पर सिंचाई न की जाये तो पौधे की वृद्धि रुक जाती है जलवायु के अनुसार नये पौधों में 2 से 3 दिनों के अन्तर पर सिंचाई करनी चाहिए, जबकि एक साल पुराने पौधों में गर्मी में 6 से दिनों के अन्तराल पर तथा सर्दी में 10 से 15 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए (जब वर्षा न हो)

पपीते के पौधे के पास पानी के जमाव होने पर पौधे में गलन की बिमारी लग जाती है और पौधा मर जाता है इसलिए पपीते के खेत में जल निकास की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए और पौधे की जड़ के पास 15 से 20 सेंटीमीटर ऊँची मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, ताकि सिंचाई या वर्षा का पानी तने के सम्पर्क में न आये 60 से 80 प्रतिशत तक ज़मीन में उपलब्ध मृदा नमी सिंचाई के लिए उपयुक्त पायी गयी हैं यदि लम्बे समय तक पपीते के पौधे को पानी न मिले तो पौधे की वृद्धि एवं विकास रुक जाता है

यह भी देखा गया है, कि पानी की कमी होने पर नर फूल अधिक निकलते हैं परन्तु यदि खेत में लम्बे समय तक अधिक नमी बनी हुई है, तो फल विकृत आकार के हो जाते हैं केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में प्रयोगों द्वारा यह पाया गया कि यदि पौधों को नाली से या पूरे खेत में पानी लगाने की तुलना में बेसिन विधि से सिंचाई करें, तो पानी कम लगता है तथा अधिक गुणवत्तायुक्त फल का उत्पादन होता है

यदि खेत में पानी का पलेवा करते हैं, तो पौधे पानी के सम्पर्क में सीधे आने की सम्भावना रहती है इससे तना गलन की समस्या हो जाती है और पानी भी अधिक खर्च होता है सिंचाई की टपक विधि 50 से 60 प्रतिशत तक पानी बचाता है पानी की उपयोग क्षमता भी टपक विधि द्वारा बढ़ जाती है गर्मी में पर्याप्त नमी खेत में नहीं रहने पर फूल व फल गिरते हैं

सर्दी में छोटे पौधों की पाले से रक्षा करना आवश्यक होता है इसके लिए छोटे पौधों को नवम्बर में तीन तरफ से घास-फूस या सरपत से अच्छी प्रकार ढक देते हैं पूर्व-दक्षिण दिशा में पौधा खुला छोड़ दिया जाता है जिससे सूर्य का प्रकाश पौधों को मिलता रहे पाले की संभावना होने पर पौधों की सिंचाई करें और धुआ करने से भी पाले का भी प्रकोप कम होता है फरवरी के अन्त में जब पाले का डर नहीं रहता, उस समय घास-फूस को हटा देना चाहिए

पपीते का बाग साफ-सुथरा होना चाहिए इसमें किसी प्रकार का खरपतवार नहीं होना चाहिए प्रत्येक सिंचाई के बाद पौधे के चारों तरफ हल्की गुड़ाई अवश्य करनी चाहिए पौधे के आस-पास गहरी गुड़ाई या जुताई नहीं करनी चाहिए गहरी गुड़ाई करने से खुराक लेने वाली जड़े कट जाती हैं पपीते के पौधे के 3 से 4 फिट तक के क्षेत्र में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक होता है

जैविक पलवार के प्रयोग से खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है और मिट्टी में नमी भी अधिक समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है खरपतवार नियंत्रण द्वारा कीड़े-मकोड़ों से भी फसल की रक्षा हो जाती है एवं विषाणु रोग से भी बचाव होता है

पपीते के पौधे के मध्य में प्रथम वर्ष में कम बढ़ने वाली सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी प्याज, लहसुन आदि की खेती की जा सकती है

यदि पपीते में अधिक संख्या में फल लगते है, तो फल की अच्छी बढ़वार नहीं हो पाती है कुछ फलों का आकार बहुत छोटा व कुरुप हो जाता है तथा कुछ अपने आप गिर जाते है अत: अधिक पास पास लगे फलों को प्रारंभिक अवस्था में तोड़ देना चाहिए जिससे बचे फल बड़े आकार के उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन

उर्वरक कृषि में उपज बढ़ाने के लिए प्रयुक्त रसायन हैं जो पेड-पौधों की वृद्धि में सहायता के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। पानी में शीघ्र घुलने वाले ये रसायन मिट्टी में या पत्तियों पर छिड़काव करके प्रयुक्त किये जाते हैं। पौधे मिट्टी से जड़ों द्वारा एवं ऊपरी छिड़काव करने पर पत्तियों द्वारा उर्वरकों को अवशोषित कर लेते हैं। उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है।इनका उपयोग हमें बहुत कम करना चाहिए ।

▶▶ उर्वरक का वर्गीकरण

गोबर की खाद

- कार्बनिक/जैविक उर्वरक (कम्पोस्ट, यूरिया) या अकार्बनिक उर्वरक (अमोनियम नाइट्रेट)
- प्राकृतिक (पीट) या कृत्रिम उर्वरक (सुपर फॉस्फेट)
- पादप पोषण के अन्तर्गत पादपों के विकास के लिए आवश्यक रासायनिक तत्त्वों एवं यौगिकों का अध्ययन किया जाता है।
- सत्रह (17) अत्यावश्यक पादप-पोषक तत्व हैं। कार्बन, आक्सीजन, तथा जल के अलावा निम्नलिखित खनिज तत्त्व आवश्यक हैं-

▶▶ पौधों के लिये आवश्यक पोषक तत्व

मुख्य तत्व

पौधों के लिये तीन प्रमुख पोषक तत्व हैं नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम या पोटाश

द्वितीयक पोषक तत्व- कैल्शियम, गंधक या सल्फर, मैग्नीशियम

सूक्ष्म पोषक तत्व- बोरॉन, क्लोरीन, मैगनीज, लोहा, जस्ता (जिंक), ताँबा (कॉपर), मॉलीब्लेडनम्, सेलेनियम (केवल कुछ देशों में)

▶▶ सीमाएं

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है। वर्तमान समय में वहाँ पानी का जलस्तर एवं मृदा की पोषकता में भारी कमी देखी गई है। इसके साथ ही मृदा तथा उपज में हानीकारक रसायनों की मात्रा में बहुत वृद्धी पाई गई है। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है।

▶▶ प्रमुख रासायनिक उर्वरक

=== **यूरिया पहचान विधि**

- सफेद चमकदार, लगभग समान आकार के गोल दाने।
- पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने पर शीतल अनुभूति।
- गर्म तवे पर रखने से पिघल जाता है और आंच तेज करने पर कोई अवशेष नही बचता।

▶▶ डाई अमोनियम फास्फेट (डी.ए.पी.) पहचान विधि

- सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग नाखूनों से आसानी से नहीं टूटने वाला उर्वरक है।
- डी.ए.पी. के कुछ दानों को लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर तीक्ष्ण गन्ध निकलती है, जिसे सूंघना असह्य हो जाता है।
- तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर दाने फूल जाते है।

▶▶ सुपर फास्फेट पहचान विधि

- यह सख्त दानेदार, भूरा काला बादामी रंगों से युक्त तथा नाखूनों से आसानी से न टूटने वाला उर्वरक है। यह चूर्ण के रूप में भी उपलब्ध होता है। इस दानेदार उर्वरक की मिलावट बहुधा डी.ए.पी. व एन.पी.के. मिक्चर उर्वरकों के साथ की जाने की सम्भावना बनी रहती है।

▶▶ जिंक सल्फेट पहचान विधि

- जिंक सल्फेट में मैंगीशिम सल्फेट प्रमुख मिलावटी रसायन है। भौतिक रूप से समानता के कारण नकली असली की पहचान कठिन होती है।
- डी.ए.पी. के घोल में जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है। मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।
- जिंक सल्फेट के घोल में पतला कास्टिक का घोल मिलाने पर सफेद, मटमैला मांड़ जैसा अवक्षेप बनता है, जिसमें गाढ़ा कास्टिक का घोल मिलाने पर अवक्षेप पूर्णतया घुल जाता है। यदि जिंक सल्फेट की जगह पर मैंगीशिम सल्फेट है तो अवक्षेप नहीं घुलेगा।

▶▶ पोटाश खाद पहचान विधि

- सफेद कणाकार, पिसे नमक तथा लाल मिर्च जैसा मिश्रण।
- ये कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं।
- पानी में घोलने पर खाद का लाल भाग पानी में ऊपर तैरता है।
- खनिज, जिसमें 8% नाइट्रोजन, 8% फास्फोरस तथा 8% पोटाश है।

▶▶ खाद डालने की मुख्य विधियाँ

- (1) थाला में डालना – तौलिए में छोटे पौधों में आधा व बड़े पौधों में एक फुट की तने से दूरी रखते हुये खादें डाल दी जाती है। खादें पौधों की टहनियों के फैलाव के नीचे बिखेर कर डालने के बाद मिट्टी में मिला दी जातीहै। मिट्टी में खादें मिलाना अति आवश्यक होता है। जब बहुत ज्यादा नमी हो या बहुत ज्यादा सूखा पड़ रहा हो तो खादें न डालें।
- (2) पट्टी में खाद डालना – टहनियों के फैलाव के बाहरी घेरे में 20-25 सेंटीमीटर पट्टी में खादें डाल दी जाती है और ऊपर से ढक दिया जाता है। ऐसे विधि वहीं प्रयोग में लाई जाती है जहां ज्यादा बरसात होती है।
- (3) छिड़काव विधि-पत्तों के ऊपर छिड़काव किया जाता है। ज्यादात्तर यूरियाखाद को पानी में घोल कर उसे छिड़काव द्वारा पत्तों पर डाला जाता है। 1 किलो यूरिया को 50 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें। पानी कम होने पर पत्तियों के झुलसने की संभावना रहती है।
- (4) बिखेर कर डालना – पौधों की दो पंक्तियों के बीच में पौधों से उचितदूरी बनाते हुये खेत में बिखेर कर खादें डाल दी जाती हैं।

जैव उर्वरक /बायोफर्टिलाइजर उन उर्वरकों को कहते हैं जो जन्तुओं या वनस्पतियों से प्राप्त होते हैं। जैसे कम्पोस्ट खाद, आदि

भूमि की उर्वरता को टिकाऊ बनाए रखते हुए सतत फसल उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने प्रकृतिप्रदत्त जीवाणुओं को पहचानकर उनसे बिभिन्न प्रकार के पर्यावरण हितैषी उर्वरक तैयार किये हैं जिन्हे हम जैव उर्वरक (बायोफर्टिलाइजर) या जीवाणु खाद कहते है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते है की जैव उर्वरक जीवित उर्वरक है जिनमे सूक्ष्मजीव विद्यमान होते है।

फसलों में जैव उर्वरकों को इस्तेमाल करने से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन पौधो को (अमोनिया के रूप में) सुगमता से उपलब्ध होती है तथा भूमि में पहले से मौजूद अघुलनशील फास्फोरस आदि पोषक तत्व घुलनशील अवस्था में परिवर्तित होकर पौधों को आसानी से उपलब्ध होते हैं।

चूंकि जीवाणु प्राकृतिक हैं, इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरकों के पूरक है, विकल्प कतई नहीं है। रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

वास्तव में जैव उर्वरक विशेष सूक्ष्मजीवों एवं किसी नमी धारक पदार्थ के मिश्रण हैं। विशेष सूक्ष्म जीवों की निर्धारित मात्रा को किसी नमी धारक धूलीय पदार्थ (चारकोल, लिग्नाइट आदि) में मिलाकर जैव उर्वरक तैयार किये जाते हैं। यह प्राय: कल्चर के नाम से बाजार में उपलब्ध है। वास्तव में जैव उर्वरक एक प्राकृतिक उत्पाद है। इनका उपयोग विभिन्न फसलों मे एवं स्फूर की आंशिक पूर्ति हेतु किया जा सकता है। इनके उपयोग का भूमि पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि ये भूमि के भौतिक व जैविक गुणों में सुधार कर उसकी उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में सहायक होते हैं। जैविक खेती में जैव उर्वरकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जीवाणु खाद का प्रभाव धीरे-धीरे होता है। हमारे खेत की एक ग्राम मिट्टी में लगभग दो-तीन अरब सूक्ष्म जीवाणु पाये जाते हैं जिसमें मुख्यत: बैक्टिरीया, फफूंद, कवक, प्रोटोजोआ आदि होते हैं जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने व फसलोत्पादन की वृद्धि में अनेक कार्य करते हैं।

▶▶ केंचुआ खाद (रोटरी स्क्रीन विधि से निर्मित)

केंचुआ खाद या वर्मीकम्पोस्ट पोषण पदार्थो से भरपूर एक उत्तम जैव उर्वरक है। यह केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा वनस्पतियों एवं भोजन के कचरे आदि को विघटित करके बनाई जाती है।

वर्मी कम्पोस्ट में बदबू नहीं होती है और मक्खी एवं मच्छर नहीं बढ़ते है तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता है। तापमान नियंत्रित रहने से जीवाणु क्रियाशील तथा सक्रिय रहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट डेढ़ से दो माह के अंदर तैयार हो जाता है। इसमें 2.5 से 3% नाइट्रोजन, 1.5 से 2% सल्फर तथा 1.5 से 2% पोटाश पाया जाता है।

केंचुआ खाद की विशेषताएँ- इस खाद में बदबू नहीं होती है, तथा मक्खी, मच्छर भी नहीं बढ़ते है जिससे वातावरण स्वस्थ रहता है। इससे सूक्ष्म पोषित तत्वों के साथ-साथ नाइट्रोजन 2 से 3 प्रतिशत, फास्फोरस 1 से 2 प्रतिशत, पोटाश 1 से 2 प्रतिशत मिलता है।

- इस खाद को तैयार करने में प्रक्रिया स्थापित हो जाने के बाद एक से डेढ़ माह का समय लगता है।
- प्रत्येक माह एक टन खाद प्राप्त करने हेतु 100 वर्गफुट आकार की नर्सरी बेड पर्याप्त होती है।
- केंचुँआ खाद की केवल 2 टन मात्रा प्रति हैक्टेयर आवश्यक है।

▶▶ खाद्य कचरे को वर्मीडाइजेस्टर में डालकर निर्मित वर्मीकम्पोस्ट

केंचुआ कृषकों का मित्र एवं भूमि की आंत कहा जाता है। यह सेन्द्रिय पदार्थ, ह्यूमस व मिट्टी को एकसार करके जमीन के अन्दर अन्य परतों में फैलाता है इससे जमीन पोली होती है व हवा का आवागमन बढ़ जाता है, तथा जलधारण की क्षमता भी बढ़ जाती है। केचुँए के पेट में जो रासायनिक क्रिया व सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रिया होती है, उससे भूमि में पाये जाने वाले नत्रजन, स्फुर (फॉस्फोरस), पोटाश, कैलशियम व अन्य सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। ऐसा पाया गया है कि मिट्टी में नत्रजन 7 गुना, फास्फोरस 11 गुना और पोटाश 14 गुना बढ़ता है।

केचुँए अकेले जमीन को सुधारने एवं उत्पादकता वृद्धि में सहायक नहीं होते बल्कि इनके साथ सूक्ष्म जीवाणु, सेन्द्रित पदार्थ, ह्यूमस इनका कार्य भी महत्वपूर्ण है।

केचुँए सेन्द्रिय पदार्थ, एवं मिट्टी खाने वाले जीव है जो सेप्रोफेगस वर्ग में आते है। इस वर्ग में दो प्रकार के केचुँए होते हैं

- (1) डेट्रीटीव्होरस – डेट्रीटीव्होरस जमीन के ऊपरी सतह पर पाये जाते है। ये लाल चाकलेटी रंग, चपटी पूँछ के होते है इनका मुख्य उपयोग खाद बनाने में होता है। ये ह्यूमस फारमर केचुँए कहे जाते है।
- (2) जीओफेगस – जीओ फेगस केचुँए जमीन के अन्दर पाये जाते है। ये रंगहीन सुस्त रहते हैं। ये ह्यूमस एवं मिट्टी का मिश्रण बनाकर जमीन पोली करते है।

▶▶ केंचुआ खाद तैयार करने की विधि

- जिस कचरे से खाद तैयार की जाना है उसमे से कांच, पत्थर, धातु के टुकड़े अलग करना आवश्यक हैं।
- केचुँआ को आधा अपघटित सेन्द्रित पदार्थ खाने को दिया जाता है।
- भूमि के ऊपर नर्सरी बेड तैयार करें, बेड को लकड़ी से हल्के से पीटकर पक्का व समतल बना लें।
- इस तह पर 6-7 से0मी0 (2-3 इंच) मोटी बालू रेत या बजरी की तह बिछायें।
- बालू रेत की इस तह पर 6 इंच मोटी दोमट मिट्टी की तह बिछायें। दोमट मिट्टी न मिलने पर काली मिट्टी में रॉक पाऊडर पत्थर की खदान का बारीक चूरा मिलाकर बिछायें।
- इस पर आसानी से अपघटित हो सकने वाले सेन्द्रिय पदार्थ की (नारीयल की बूछ, गन्ने के पत्ते, ज्वार के डंठल एवं अन्य) दो इंच मोटी सतह बनाई जावे।
- इसके ऊपर 2-3 इंच पकी हुई गोबर खाद डाली जावे।